



आठ दिन से राशन दकानों में ई पाश मशीन बंद, तीन महीने का चावल बांटने के बाद दिक्कत ऐसी

भिलाई | दुर्ग | भिलाई-३ | कुम्हारी | जामुल | उतई | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर

एक चांदी का सिक्का

जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN

शुम खरीदी के लिए **ओम ज्वेलर्स परिवार** में आपका स्वागत है हमारे यहां सर्टिफाइड राशि रत्न उपलब्ध है मिनीमम एमाउंट में हुकिंग करें
जितना सोना उतना चांदी फ्री

संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स

शॉप नं. ६४ बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग बाजार चौक, कुम्हारी रिसाईपारा, धमतरी

खबर संक्षेप

मकान में जुआ खेलते आठ जुआरी गिरफ्तार



भिलाई। मकान में जआ खेल रहे आठ जुआरियों को पुलिस ने दबिश देकर गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि सिरसाभाठा अरविंद गोस्वामी के खेत बाडी में बने मकान के भीतर जुआ खेलते क्वार्टर नंबर 6/ए खुर्सीपार निवासी .अरविंद गोस्वामी ,पंचशील नगर चरौदा नरेश, 23/06 नेहरू नगर ईस्ट सन्नी सिंह, बीएमवाय चरौदा मोह. युनुस ऊर्फ कल्लु, नंदिनी रोड विवेकानंद कालोनी छावनी तपन चंद्र डे, कोहका कालोनी हाउसिंग बोर्ड राजेश कमार, खर्सीपार वार्ड 48 मनोज गोस्वामी, चरौदा फरीद अहमद को गिरफ्तार किया गया। जुआरियों से पुलिस ने 1.5 लाख रुपए, ताश पत्ती, दो कार, दो बाइक जब्त किया गया। भिलाई तीन पुलिस को जुआ खेलने की जानकारी मुखबिर ने दिया था। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ धारा छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 की धारा 5 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

स्कूली छात्रों में मारपीट, आईसीयू में भती

भिलाई। स्कूल के दो छात्रों में जमकर मारपीट होने का मामला सामने आया है। शिकायत पर पुलिस ने अपराध कायम किया है। मोहन नगर पुलिस ने बताया कि डीएवी आर्य नगर दुर्ग का छात्र अरमान खान है। लंच समय पर वाशरूम जाते समय अरमान पर हमला कर दिया। हमले में अरमान के शरीर के विभिन्न हिस्सों में चोट आई है। 7 अगस्त को अरमान खान वाशरूम जा रहा था। तभी कक्षा दसवी के कछ छात्र भी पहंचे थे। तभी छात्रों ने अरमान को खींचकर सभी ने घेर लिया और गाली-गलौज कर मारपीट करने लगे। घटना में अरमान का दांत टूट गए और कान फटने की वजह से खुन निकलने लगा। मारपीट से छात्र खन से लथपथ होकर जमीन पर गिर पडा। अरमान के चीख-पकार के बाद स्कूल के कर्मी मौके पर पहुंचे। घायल छात्र को गंगोत्री अस्पताल लेकर गए। हालत बिगड़ने पर शंकराचार्य अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं डीएवी मॉडल स्कल आर्यनगर की प्रिंसिपल रम्मी सिंह के मृताबिक स्कुल में सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं, लेकिन यह घटना बाथरूम के आसपास की बताई जा रही है। वहां पर सीसीटीवी कैमरे नहीं

दुर्ग जिले सहित प्रदेशभर में 13 स्थानों पर केंद्र सरकार की तैयारी

११.७७ करोड़ से जिला अस्पताल में तैयार हो रहा क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल, मेटरनिटी, आईसीयू व मिनी ट्रामा की मिलेगी सुविधा

देवीलाल साहू 🕪 भिलाई

जिले की जनता को एक और बड़ी स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने जा रही है। जिला अस्पताल में 11.76 करोड़ की लागत से क्रिटिकल केयर हॉस्पिटल तैयार हो रहा है। इस हॉस्पिटल में कोरोना, महामारी सहित अन्य गंभीर रोगों के मरीजों को भर्ती की सुविधा रहेगी। दुर्ग सहित प्रदेशभर के 13 स्थानों पर केंद्र सरकार द्वारा इस हॉस्पिटल का



क्रिटिकल केयर यनिट में मिलेगी चिकित्सा सर्विधा

जिला अस्पताल दुर्ग जीई रोड किनारे हैं। दुर्ग, भिलाई, राजनांदगांव, बालोद व बेमेतरा जिले के कई गांव दुर्ग जिले से जुड़े हुए हैं। इसलिए दुवर्टना होने की स्थित में जिला अस्पताल में भर्ती के लिए लाया जाता है। क्रिटिकल केंयर यूनिट में मिर्नी ट्रामा यूनिट भी स्थापित किया जाएगा। इससे गंभीर मरीजों को रखकर इलाज किया जा सकेगा। त्वरित इलाज मिलने से जान बचेगी। जिला अस्पताल में आईसीयू केवल नाम का है। यहां जीवनरक्षक उपकरणों की बेहद कमी है। इसलिए आईसीयू में गंभीर मरीजों को भर्ती नहीं किया जाता बल्कि हायर सेंटर रेफर कर दिए जाते हैं। क्रिटिकल केयर यनिट में आईसीय स्थापित होने से हार्ट सहित अन्य रोगों के मरीजों को भर्ती कर इलाज किया जाएगा। जिला अस्पताल में मबर चाइल्ड केयर यूनिट है लेकिन अत्याधुनिक उपकरणों से यह लैस नहीं है। गंभीर गर्भवती माताओं को रेफर कर दिए जाते हैं। क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित होने से जटिल प्रकरणों का निपटारा भी यहां किया जा सकेगा। सर्जरी के दौरान इस्तेमाल होने वाले अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस उपकरण यहां लगेंगे। क्रिटिकल केयर यूनिट में एक विशेष आपरेशन थिएंटर की स्थापना की जा रही है। इस ओटी में गंभीर मरीजों का आपरेशन होना है। जैसे ढघर्टना में गंभीर रूप से घायल मरीज का तत्काल आपरेशन करना है। इसी हिसाब से यहां उपकरण भी स्थापित किएँ जांएगे। वर्तमान में ऐसे केस हायर सेंटर को भेजे जा रहे हैं।

<u> ५० बिस्तर के साथ चार माले में यें मिलेगी सुविधाएं</u>

क्रिटिकल केयर यूनिट 50 बिस्तर का है। चार माले में इस हॉस्पिटल का भवन निर्माण किया जा रहा है। पहले फ्लोर पर मेटरनिटी वार्ड रहेंगा। इस वार्ड को ऐसा डेवलप किया जा रहा है कि डिलवरी के बाद नवजात और माता एक साथ हो। यानी मदर चाइल्ड यनिट की तर्ज पर यह वार्ड होगा।दसरे माले में आइशोलेशन वार्ड होगा। इस वार्ड में कोरोना या महामारी से संबंधित मरीजों को भर्ती किया जाएगा और उनको इलाज होगा। तीसरे माले में आईसीयू की सुविधा होगी। यहां गंभीर मरीजों को वेल्टीलेटर की सुविधा के साथ भर्ती कर इलाज किया जाएगा। चौथे माले में आरपेशन थिएटल रहेगा। यहां आरपेशन से पहले और ऑपरेशन के बाद मरीजों की भर्ती की सुविधा होगी। आपरेशन वाले मरीजों को रखकर इलाज किया जाएगा। सभी चार माले में डॉक्टर, स्टॉफ नर्स के रूम भी भर्ती मरीजों के वार्ड के साथ जुड़े रहेंगे। ताकि रात में भी

<u>क्रिटिकल केयर यूनिट के ये फायदे</u>

क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू या आईसीयू) में मरीजों को 24/7 निगरानी, उन्नत चिकित्सा उपकरण, और विशेषज्ञ डॉक्टरों और नर्सों की टीम द्वारा विशेष उपचार प्रदान किया जाता है। इन युनिटों का मुख्य उद्वेश्य गंभीर रूप से बीमार या घायल मरीजों की जान बचाना और उनकी हालत में युधार करना है। क्रिटिकल केयर में मरीज की हालत की लगातार निगरानी के लिए आवश्यक उपकरण, जरूरी दवाओं की व्यवस्था और मरीज की स्थित के आधार पर चिकित्सीय निर्णय लेना शामिल होता है. क्रिटिकल केयर यूनिट सीसीयू में दिल की धड़कनों, रक्तचाप, और अन्य महत्वपूर्ण शारीरिक संकेतों पर कड़ी नजर रखी जाती है । इससे डॉक्टर तुरंत किसी भी असामान्य लक्षण को पहचान कर त्वरित इलाज कर सकते हैं।

सर्जिकल गहन चिकित्सा डकाई (एसआईसीय

यह इकाई गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल करती है जिनकी सर्जरी हो चुकी है या जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता है।मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (एमआईसीयू) - यह यूनिट गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सा प्रबंधन प्रदान करती है, जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है।कार्डियक क्रिटिकल केयर युनिट (सीसीयू) - यह युनिट उन रोगियों को देखभाल प्रदान करती है, जिन्हें हृदय संबंधी गंभीर समस्याएं जैसे कार्डियक डिसॉरेब्रिया, अस्थिर एनजाइना या दिल का दौरा पड़ता है।इंटरमीडिएट मेडिकल केयर यूनिट (आईएमसीयू) - यह यूनिट उन रोगियों की देखभाल करती है जिन्हें दीर्घकालिक चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है, जिसमें श्वसन और पोषण चिकित्सा के लिए सहायता की आवश्यकता होती है, लेकिन एमआईसीयू की तरह तीव्र नहीं होती ह सर्जिकल गहन चिकित्सा इकाई (एसआईसीयू) - यह इकाई गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल करती है जिनकी सर्जरी हो चुकी है या जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता है।मेडिकल इंटेंसिव केयर युनिट (एमआईसीय्) - यह युनिट गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सा प्रबंधन प्रदान करती है, जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है।कार्डियक क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) - यह यूनिट उन रोगियों को देखभाल प्रदान करती है, जिन्हें हृद्य संबंधी गंभीर समस्याएं जैसे कार्डियक डिसरिझिया, अस्थिर एनजाइना या दिल का दौरा पडता हैं।इंटरमीडिएट) मेडिकल केयर यूनिट (आईएमसीयू) - यह यूनिट उन रोगियों की देखभाल करती है जिन्हें दीर्घकालिक चिकित्सा देखमाल की आवश्यकता होती हैं, जिसमें श्वसन और पोषण चिकित्सा के लिए सहायता की आवश्यकता होती है, लेकिन एमआईसीयू की तरह तीव्र नहीं होती ह गहन चिकित्सा इकाई (एसआईसीय) - यह इकाई गंभीर रूप से बीमार मरीजों की देखभाल करती है जिनकी सर्जरी हो चुकी है या जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता है।मेडिकल इंटेंसिव केयर यूनिट (एमआईसीयू) - यहँ यूनिट गंभीर रूप से बीमार मरीजों को चिकित्सा प्रबंधन प्रदान करतीं है, जिन्हें सर्जरी की आवश्यकता नहीं होती है।कार्डियक क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) - यह यूनिट उन रोगियों को देखभाल प्रदान करती है. जिन्हें हृदय संबंधी गंभीर समस्याएं जैसे कार्डियक डिसरिद्विया. अस्थिर एनजाइना या दिल का दौरा पड़ता है।इंटरमीडिएट मेडिकल केयर यूनिट (आईएमसीयू) - यह यूनिट उन रोगियों की देखभाल करती है जिन्हें दीर्घकालिक चिकित्सा देखभाल की आवश्यकता होती है, जिसमें श्वसन और पोषण चिकित्सा के लिए सहायता की आवश्यकता होती है, लेकिन एमआईसीय की तरह ਰੀਕ਼ नहीं होती है।

मरीज होंगे

जिला अस्पताल में क्रिटिकल केयर यूनिट 50 बिस्तर का बनाया जा रहा है। केंद्र सरकार की यह योजना है। कोरोना के बाद ऐसे अचानक संक्रामक व जटिल रोग से निटपने के लिए अभी से हॉस्पिटल तैयार किए जा रहे हैं। कोरोना के दौरान हमें दूसरी जगह हॉस्पिटल लेना पड़ा था और काफी दिक्कतें आई थी।

डॉ. **अखिलेश यादव,** आरएमओ जिला अस्पताल

त्योहारी बाजार गुलजार, सुबह् साढ़े 10 बजे के बाद पूरे दिन राखी बाँधने का मुहुर्त

हरिभूमि न्यूज 🕪 भिलाई

9 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। बहनें अपने भाइयों की कलाई में राखियां बांधेंगी। इसे लेकर शुक्रवार को बाजार पूरे दिन गुलजार नजर आया। बहनें बाजार में राखियां और मिठाई खरीदने पहुंची। इस वजह से शहर के लगभग सभी बाजारों में शाम के समय भीड़ टूट पड़ी। मुख्य बाजारों में जवाहर मार्केट, सर्कलर मार्केट, रिंग रोड, आकाशगंगा, सिविक सेंटर, सेक्टर-6 मार्केट, स्मृतिनगर, जुनवानी, दुर्ग में इंदिरा मार्केट, शनिचरी बाजार, महाराजा चौक, बोरसी, पुलगांव चौक, पद्मनाभपुर, सिकोला बस्ती में भीड़ देखने को मिली। पंडितों और ज्योतिषाचार्यों की मानें तो इस बार रक्षाबंधन अत्यंत शुभप्रद परिणाम देने वाला है, क्योंकि इस पर पूर्णिमा भद्रा नहीं है। साथ ही श्रवण नक्षत्र एवं दिन शनिवार होने से सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है, जो दोपहर के 3:22 तक रहेगा। राह काल सबह 8:37 से 10:33 तक रहेगा। इस राह काल को छोडकर बाकी ब्रह्म मुहुर्त सूर्योदय से लेकर पूरे दिन भर रक्षासूत्र बांधा जा सकता है। पूर्णिमा शुक्रवार की दोपहर 1 बजकर 34 मिनट से शुरू हो चुकी है, जो 9 अगस्त दिन शॅनिवार को दोपहर 1 बजकर 19 मिनट तक रहेगी।

अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेलिंग करने वाली महिला गिरफ्तार

हरिभुमि न्यूज 🕪 भिलाई

नशे की दवा खिलाकर का अश्लील वीडियों बनाकर ब्लैकमेल करने वाली महिला को पलिस ने गिरफ्तार किया है। महिला के खिलाफ पुलिस ने जुर्म दर्ज किया



भिलाई तीन में ठेके में सुरक्षा कर्मी के रुप में काम करने वाले कर्मी कंपनी द्वारा आबंटित मकान में रहता था। आरोपी महिला तलाकशुदा स्थान घंटाघर चौक थाना पवई

नशाीली दवा जिला पन्ना मध्यप्रदेश, पूर्व निवास स्थान हाउसिंग बोर्ड मकान नम्बर 1735 जामुल, वीडियो वर्तमान में बिजली कंपनी भिलाई तीन निवासी रजनी धमकी देकर यादव है। पीड़ित के पड़ोस में पांच का यह रहती है। पीड़ित घर पर

अकेला होने पर किसी भी बहाने से उसके मकान में आया करती थी। मौका पाकर पीडित को नशीला दवा खिलाकर अपने मोबाईल फोन से अश्लील फोटो, विडियो बनाकर वायरल करने की धमकी देकर 5 लाख रूपये का डिमांड किया। डरकर सुरक्षा कर्मी नौकरी कंपनी द्वारा दिया गया मकान और अपना सामान छोडकर अपने गांव निपानी बालोद चला गया था। आरोपी रजनी यादव ने उसे लगातार मोबाइल कर धमकी देने से परेशान होकर

पिता के खेत को गिरवी रख 3 लाख रूपये उसे दिया। लेकिन आरोपी रजनी यादव उसे 5 लाख रूपये का डिमांड कर रही थी। परेशान होकर शिकायत पुलिस में गया। भिलाई तीन थाना प्रभारी अंबर सिंह भरतद्वाज की टीम ने जांच कर महिला को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उसे न्यायिक रिमांड

कई पलिस कर्मियों से खासी पहचान

सूत्रों ने बताया कि आरोपी रजनी यादव का एसीसीयू समेत जिले के कई थानों के कई आरक्षक से खासी पहचान है। आरोप है कि किसी को भी अपना शिकार बनाकर पलिस कर्मियों से मंडवाली कराती है। पलिस कर्मी और आरोपी रुपए को आपस में बांटते थे। जामुल में भी महिला के खिलाफ 4-5 शिकायत मकान मालिक, पुलिस कर्मी का परिवार कर चका है। लगातार शिकायत मिलने के बाद भी सबूत के अभाव में पुलिस कार्रवाई नहीं कर पाती थी। लेकिन सबुत मिलने के बाद भिलाई तीन पुलिस ने महिला के खिलाफ कार्रवाई किया है।

गांजा बेचने वाले दो गिरफ्त में

भिलाई। गांजा बेचने वाले महिला पुरुष को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। एएसपी पद्मश्री तंवर ने बताया कि ऑपरेशन विश्वास अभियान



के तहत उतई पुलिस ने मुखबिर की सुचना पर शिव चौक ग्राम डुंडेरा के पास महिला को पकड़ा गया। पूछताछ करने परशिव चौक ग्राम डुंडेरा निवासी भोजा बाई कोसरे और सुभाष चौक अजय कुमार देशलहरे अपना नाम बताया है।

बिना मान्यता वाले नर्सरी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार का नहीं हो पा रहा है पालन

हाईकोर्ट ने नर्सरी स्कूलों के लिए मान्यता जरूरी समझा, शहर में ऐसे 45 स्कूल

हरिभूमि न्यूज 🕪 भिलाई

हाईकोर्ट ने नर्सरी स्कलों के लिए मान्यता को जरूरी समझा है। ट्विनसिटी में ऐसे 45 नर्सरी स्कुल चल रहे हैं जो बिना मान्यता के हैं। मान्यता नहीं लेने की वजह से शिक्षा का अधिकार अधिनयमों का पालन नहीं हो पा रहा है। जिसकी वजह से गरीब वर्ग के बच्चे शिक्षा का अधिकार से वंचित हो रहे हैं।

न प्ले ग्राउंड न ही बुनियादी सुविधाएं

नर्सरी स्कल लोग कहीं भी संचालित कर रहे हैं। लोग अपने क्वार्टरों व मकानों में ही नर्सरी स्कूल खोल रखे हैं। इन नर्सरी स्कूलों में बच्चों के खेलने के लिए न प्ले ग्राउंड हैं और न ही बुनियादी सुविधाएं। ऐसे भी नर्सरी स्कूल हैं जो गली-मुहल्लों के रोड किनारे हैं। बच्चे पढ़कर निकलते हैं तो रोड ही मिलता है। कमरे इतने छोटे हैं कि यहां पर्याप्त रोशनी व हवा नहीं आती। एक लाइन से दूसरी लाइन के बीच गैप बेहद कम होता है। बच्चे ठुंस-ठुंस कर बैठे मिलेंगे। पंखे व पेयजल जैसी बुनियादी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं होती।

इन क्षेत्रों में चलाए जा रहे हैं नर्सरी स्कूल

भिलाई क्षेत्र में नर्सरी स्कूल खुब फल-फूल रहे हैं। भिलाई क्षेत्र में नेहरूनगर, हुडकों, स्मृतिनगर, इस्पात नगर, मरोदा, वीआईपी नगर, जुनवानी, भिलाई तीन चरोदा और दुर्ग के बोरसी, नगपुरा, आर्यनगर, सिंधिया नगर, हरिनगर सहित अन्य क्षेत्रों में नर्सरी स्कूल संचालित हो रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में भी नर्सरी स्कूल चल रहे हैं। जिनमें उमरपोटी कालोनी, उतई, सेलुद, पाटन, धमधा शामिल हैं।

नए नियम के लिए हाईकोर्ट में शपथपत्र पेश करेंगे संयुक्त सचिव

हाईकोर्ट ने नर्सरी स्कूलों की मान्यता मामले में स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त सचिव को कहा है कि वे नए नियम के लिए श्रेपथ पत्र पेश करें। 13 अगस्त को यह शपथ पत्र पेश होना है। जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति व अरली चाइल्डवुड केयर 3 साल से 6 साल तक के बच्चों के हिसाब से नया नियम शामिल किया जाना है।

आरटीई के लाभ से हो रहे बच्चे वंचित

नर्सरी स्कूलों में शिक्षा का अधिकार अधिनियम वर्तमान में लाग् नहीं है। जिसकी वजह से गरीब वर्ग के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा इन स्कुलों में नहीं मिल पा रही है। जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम के तहत ही अन्य निजी स्कूलों में 25 प्रतिशत कोटा आरक्षित किए जाते हैं। नर्सरी से लेकर आठवीं तक सरकार निःशुल्क शिक्षा

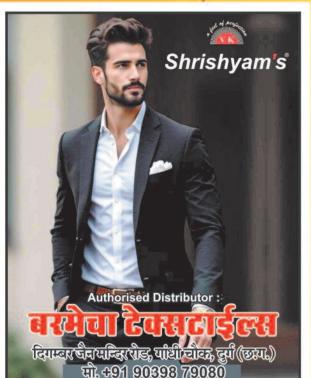
कार डिवाडडर से टकराई, पांच घायल

भिलाई। तेज रफ्तार कार डिवाइडर से अचानक टकरा गई। हादसे में पांच लोग बुरी तरह से घायल है। घटना दुर्ग कोतवाली थाना क्षेत्र का है। मिली जानकारी के मुताबिक जन्म दिन समारोह में शामिल होने सोनी परिवार आनंद रिसोर्ट जा रहे थे। इस दौरान कार सीजी 04 एचसी 6348 डिवाइडर से टकरा गई। कार में एक ही परिवार के लोग सवार थे। कार तेज रफ्तार में थी इस कारण सड़क के सामने डिवाइडर नहीं दिखा और सीधे कार टकरा गई। कार अनियंत्रित होने से डिवाइडर से जोरदार टक्करा गई। घटना में कार के सामने का हिस्सा बरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। कार के भीतर बैठे पांच लोगों को तुरंत उपचार के लिए जिला अस्पताल उपचार के लिए पहंचाया गया। जहां पर हादसा हुआ सडक लाइट कमजोर होने से घटना होना बताया गया है। इसके अलावा यहां अक्सर सडक हादसा

होता रहता है।























बेटी है तो रक्षाबंधन है

में गौरव हूँ, में सम्मान हूँ, में भी इन्सान हूँ, मै भविष्य हूँ मैं ही वर्तमान हूँ, मैं बेटी हूँ...

रक्षाबंधन की हार्दिक

शुभकामनाएं

रत्ना नारमदव

वरिष्ठ समाज सेविका एवं









खबर संक्षेप

मैत्री कॉलेज में मनाई गई प्रेमचंद जयंती

भिलाई। मैत्री कालेज और प्रगतिशील लेखक संघ भिलाई दुर्ग द्वारा मैत्री कालेज रिसाली के सभागार में कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद की जयंती का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार रवि श्रीवास्तव विशिष्ट अतिथि कथाकार लोकबाब. प्रगतिशील लेखक संघ के प्रांतीय अध्यक्ष परमेश्वर वैष्णव, रंगकर्मी राजेश श्रीवास्तव, शायर मुमृताज व कमलेश वर्मा थे। मैत्री एजूकेशनल एवं कल्चरल एसोसिएशन की अध्यक्षराज सुधाकरण ने स्वागत भाषण दिया। लोकबाबू ने प्रेमचंद की कहानियों का विश्लेषण कर संदेशपरक बताया। परमेश्वर वैष्णव ने प्रेमचंद के जीवन व रचनाओं को प्रेरक निरुपित किया। रवि श्रीवास्तव ने बच्चों से समाज परिवर्तन के लिए प्रेमचंद की रचनाओं को पढ़ने और उनके आदर्श को आत्मसात करने का आह्वान किया। कालेज की प्राचार्य डां. सुरेखा विनोद पाटिल ने प्राध्यापक वृंद व एमएडबीएड कालेज के प्रशिक्षणार्थियों को सार्थक आयोजन के लिए सराहा। ने महाविद्यालय के बीएड विद्यार्थियों द्वारा मुंशी प्रेमचंद की कहानियों, जीवन संघर्ष और भाषआ शैली पर विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन रीडर अपूर्वा शुक्ला ने किया। कार्यक्रम में कालेज के विद्यार्थी, प्राध्यापक व साहित्यकार उपस्थित थे।

शहर में निर्माण कार्यों के लिए ६० लाख स्वीकृत

दुर्ग । कलेक्टर अभिजीत सिंह द्वारा विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र विकास योजनांतर्गत प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए दुर्ग शहर विधानसभा के 4 कार्यों के लिए 60 लाख रूपए स्वीकृत किया गया है। विधायक गजेन्द्र यादव द्वारा अनुशंसित उक्त कार्य का संपादन क्रियान्वयन एजेंसी कार्यपालन अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा संभाग-दुर्ग द्वारा किया जाएगा। जिला योजना एवं सांख्यिकी जानकारी अनुसार विख दुर्ग अंतर्गत वार्ड क्र. 09 में शीतला मंदिर के पास तथा वार्ड क्र. 05 में मंदिर के पास डोम शेड निर्माण के लिए 20-20 लाख रूपए और वार्ड क्र. 09 में तथा वार्ड क्र. 05 में मंच निर्माण व अहाता निर्माण कार्य के लिए 10-10 लाख रूपए की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

निधन

कोमल प्रसाद साह्



आकस्मिक निधन 8 अगस्त को हो गया है। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम चंदखरी में किया गया। वे

अपने पीछे भरापरा परिवार छोड गए हैं। शांति सिंह

भिलाई। 21/8 राधिका नगर



सुपेला भिलाई निवासी शांति सिंह 42 वर्ष का शुक्रवार को निधन हों गया। उनका अंतिम संस्कार शनिवार 9 अगस्त

को दोपहर 12 बजे रामनगर मक्तिधाम में किया जाएगा। वे शशिकांत सिंह की धर्मपत्नी. जशपुर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह व शहर के व्यवसायी विकास कुमार सिंह के छोटे भाई की पत्नी थीं।

लापरवाही : ई-पाश मशीन में आई तकनीकी खामी, शक्कर के लिए कतारें

आठ दिन से राशन दुकानों में ई-पाश मशीन बंद तीन महीने का चावल बांटने के बाद ऐसी दिक्कत

हरिभूमि न्यूज 🕪 भिलाई

पिछले आठ दिनों से राशन दुकानों का ई पॉश मशीन बंद है। एक साथ तीन महीने का चावल बांटने के बाद इस तरह की दिक्कतें सामने आई है। एक अगस्त से हितग्राफी शक्कर लेने के लिए आ रहे हैं लेकिन ज्यादातर राशन दुकानों में ताला लटका हुआ है। जो दुकानें खुली है वहां ई पाश मशीन काम नहीं करने की वजह से लौटना पड़ रहा है। दुर्ग जिले में रिसाली, मरोदा, रूआबांधा, कैंप क्षेत्र, दुर्ग सहित 609 राशन दुकानें संचालित हैं। इन दुकानों में राशन लेने वाले 3 लाख 2644 राशनकार्डधारी हैं।

था। जैसे-तैसे चावल की समस्या दूर हुई है।

कहीं दुकानें बंद तो कहीं खुली है तो लौट रहे

हितग्राहियों ने बताया कि रोजाना दुकान खुल नहीं रही है। एक दिन जाते हैं तो

चक्कर काट रहे हैं। इसके पहले तीन महीने का एक साथ राशन लेने के लिए

कई बार चक्कर काटे। दुकानों में चावल का पर्याप्त स्टॉक ही नहीं भेजा गया

दूसरे दिन बंद मिलता है। जिसकी वजह से पिछले आठ दिनों से दकानों का

राशन दुकान पहुंच रहे हितग्राही



बाजार से दोगुने दाम पर शक्कर लेने की मजबुरी

सहकारी उचित मूल्य की दुकान में शक्कर नहीं मिलने से हितग्राहियों

को बाजार में दोगुनी कीमत चुकानी पड़ रही है। हितग्राहियों ने बताया कि राशन दुकानों मे प्रति किलो शक्कर १७ रुपए मिलता है। बाजार में

एक किलो शक्कर ४४ रुपए है। इस तरह दोगुनी कीमत से ज्यादा पैसे

राशन दुकार्ना से बेरंग लौटाया जा रहा

दो माह से नहीं मिली शक्कर संचालित हैं। हर दुकानों में निर्धारित से ज्यादा राशनकार्डधारी हैं। यानी १६ हजार राशनकार्डधारियों को पिछले बो महीने का शक्कर नहीं मिला है। हितग्राही मालती बाई, सुखिया बाई, मनीषा साहु , फूलकुंवर आदि ने बताया कि तीन महीने का चावल तो मिल गया है लेकिन शक्कर अगस्त महीने का ही नहीं मिला है। हर दिन दुकान आते हैं लेकिन यह कहा

जाता है कि ई पॉश मशीन ही बंद है।

काम नहीं कर रही मशीन

रिसाली टंकी मरोदा. मैत्री गार्डन

रूआबांधा बस्ती शासकीय उचित

राशनकार्डधारी पहुंच रहे हैं।

हितग्राही संतोष कुमार, अमित,

शैलेष, कुमारी बाई, कौशल्या बाई

आदि ने बताया कि राशन दुकान

में शक्कर नहीं दिया जा रहा है। ई

पाश मशीन ही काम नहीं कर

रहा। इसलिए शक्कर नहीं

के पास, रिसाली सेक्टर

मूल्य की दुकानों में

दिखवाता हुं क्या प्रॉब्लम है राशन दुकानों में ई पाश मशीन बंद होने की सचना मुझे नहीं मिली है। क्या प्राब्लम है उसे दिखवाता हुं। ऐसी जानकारी आपसे मुझे मिल

-अनुराग भदोरिया, नियंत्रक खाद्य विभाग दुर्ग

राहुल गांधी को झूठे एजेंडा चलाने पर देश से माफी मांगनी चाहिए : सरोज

हरिभूमि न्यूज 🕪 भिलाई



राहल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर वोट चोरी को लेकर लगाए गए प्रश्न चिन्ह को निराधार अलोकतांत्रिक बताया है। उन्होंने राहल गांधी को तीखा जवाब देते हए कहा कि चुनाव आयोग पर उनके दावे फर्जी और पूर्ण रूप से

देश में चुनाव आयोग की छवि धूमिल करने का कुप्रयास है, जो उनके राजनीतिक हताशा को दर्शाता है। सरोज पाण्डेय ने कहा कि राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के साथ भाजपा पर अनर्गल आरोप लगाएं में रहते हुए जनसेवा की है।

हैं। वोटों का विषय चनाव आयोग से संबंधित है। इस पर चुनाव आयोग ने राहल गांधी से शपथ पत्र मांगा है. यदि उनके दावे सत्य हैं तो उन्हें शपथ पत्र देना चाहिए। वरना इसके लिए देश से सार्वजनिक माफी मांगनी चाहिए।

इससे पहले भी राहुल गांधी अपने बचकाने हरकत से झठे एजेंडों को लेकर घिर चुके हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने जब राहुल गांधी को यह दावा करने के लिए फटकार लगाई कि चीन ने भारतीय क्षेत्र के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। सप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक सच्चा भारतीय ऐसी टिप्पणी नहीं करेगा। सरोज पाण्डेय ने कहा चुनावों में हार-जीत होती रहती है। देश में विपक्ष में लंबे समय तक किसी पार्टी ने जिम्मेदारी निभाई है तो वह भारतीय जनता पार्टी है, भाजपा ने सबसे लंबे कालखंड तक विपक्ष

उच्चतम न्यायालय के पत्रों पर सावधानी से कार्रवाई के निर्देश

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सर्व विभागों के प्रमुख अधिकारियों को उँच्य और उच्चतम न्यायालय से प्राप्त होने वाले पत्रों पर निर्धारित समय भीतर त्वरित गति से और सावधानीपूर्वक कार्रवाई निर्देश दिए हैं। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने कहा है कि सभी अधीनस्थ कर्मचारियों को इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए जाएं, ताकि न्यायालय से प्राप्त पत्रों पर समय रहते, पूरी सतर्कता के साथ काम किया जा सके और किसी भी तरह की लापरवाही से

नहीं खुलने देंगे खुड़मुड़ा में शराब भट्टी, धरना प्रदर्शन को पूर्व मुख्यमंत्री बघेल ने दिया समर्थन

हरिभुमि न्यूज 🕪 पाटन

दुर्ग जिला अंतर्गत नगर पालिका परिषद अमलेश्वर क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 05 खुड़मुड़ा में प्रस्तावित शराब भट्टी को नहीं खोलने की मांग

 महिलाओं ने राखी बांधकर पूर्व सीएम का किया स्वागत

को लेकर अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन जारी है। नगर विकास समिति खरमड़ा एवं वार्ड क्रमांक 4,5,6,7 के अध्यक्ष रामकुमार सोनकर, उपाध्यक्ष राधेश्याम जोशी और चिंतामणि सोनकर के संयक्त नेतृत्व में जारी आंदोलन के धरना स्थल पर पूर्व मुख्यमंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक भूपेश बघेल समर्थन देने पहुंचे। जहां युवक कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोशीला स्वागत किया वहीं धरना में उपस्थित पार्षद वार्ड ०६ ललिता कुमार साह, ईश्वरी सोनकर, अनु सोनकर, अशोक घिघोडे, जानी सोनकर आदि ने रक्षाबंधन पर्व के

उपलक्ष में राखी बांधकर स्वागत किया। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार आम जनता को सुविधा देने के बजाय संकट में डाल रही है बिजली बिल हाफ योजना को समाप्त कर दिया गया है। स्कूल बंद किए जा रहे हैं और शिक्षकों का पद समाप्त कर दिया गया है। वर्तमान में

लगभग 700 शराब भट्टी है जिसे

डबल कर 1400 कर दिया है। जहां देशी था वहां विदेशी शराब भट्टी भी

श्री बघेल ने कहा कि इस गांव में शराब भट्टी की आवश्यकता बिल्कुल ही नहीं है क्योंकि यहां से 01 किलोमीटर दुरी में भाठागांव में शराब दुकान पूर्व से संचालित है।

खोल दी गई है।

फैलने वाला कचरा

उन्होंने कहा कि आप लोगों के धरना प्रदर्शन में मैं समर्थन करता हं निश्चित रूप से शराब भट्टी नहीं खुलना चाहिए ऊपर से सरकार द्वारा किसानों के लिए खाद की समुचित व्यवस्था नहीं कर पा रही है। मौके पर दुर्ग जिला ग्रामीण कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राकेश ठाकुर, पूर्व जिला पंचायत सभापति मोन मोरध्वज

साहू, नगर पालिका ओमप्रकाश साहू, पूर्व पार्षद ओंकार घिघोडे, धर्मेंद्र साह, जीवन नंदन वर्मा ,कल्याण साहू, अमृत सिंह राजपूत, चिंतामणि सोनकर. राधेश्याम जोशी, पार्षद भेजलाल सोनकर, पालिका नेता प्रतिपक्ष दीपक घिघोडे. घनश्याम साह. परन माँ जगतारण काली दुर्गा मंदिर में मूर्ति स्थापना



समिति उरला वार्ड 58 के तत्वावधान में गुरुवार को मंदिर की निर्मात्री रागिनी देवी की मूर्ति स्थापित की गई। मुख्य अतिथि महापौर अलका बाघमार, विधायक गजेन्द्र यादव, सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी रजनी बघेल, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व सभापति दिनेश देवांगन, भाजपा के पूर्व प्रवक्ता सिच्चदानंद उपासने मौजूद थे। इस दौरान अतिथि वक्ताओं ने कहा कि गुरुजी सुशील कहार ने अपनी पत्नी को हमेशा देवी की तरह माना और उनकी स्मृति को चिरस्थायी रखने का प्रयास किया है वह सराहनीय है। यह उनके उच्च आदर्श को दर्शाता है। यह अनुकरणीय है। अतिथियों को मूर्ति स्थापना के बाद स्मृति चिन्ह प्रदान किया गया। इस अवसर पर भंडारे का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में गुलाब सिंह, सागर कहार, आकाश

विधायक गजेन्द्र ने जिला अस्पताल का किया निरीक्षण, मरीजों व दवाइयों की ली जानकारी

हरिभूमि न्यूज 🕪 दुर्ग

जिला अस्पताल दुर्ग का शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने निरीक्षण कर भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से मुलाक़ात कर उनकी कुशलक्षेम जाना और अस्पताल में ईलाज,

20 रुम का पेइंग वार्ड

दवाई और स्वास्थ्य कर्मियों के व्यवहार को लेकर फीडबैक लिए। उन्होंने क्रमशः ओपीडी के आर्थो, आँख, न्यूरो, हड्डी, पर्ची काउंटर और मेडिसिन वार्ड पहंचकर चिकित्सकीय स्टॉफ से मरीजों की संख्या, संसाधनों का फीडबैक लेकर मरीजों का त्वरित ईलाज करने की बात कहे। सिटी स्कैन, एक्सरे जैसे मशीनों उचित देखरेख. पैथलॉजी के उपकरण की जानकारी लिए। औचक निरीक्षण में जिला अस्पताल पहंचे विधायक गजेन्द्र यादव ने अस्पताल प्रबंधन मदर एंड चाइल्ड यूनिट का होगा विस्ताः

विधायक गजेन्द्र यादव ने बताया की जिला अस्पताल में मदर एंड चाइल्ड युनिट वार्ड का विस्तार करने नई बिल्डिंग की स्वीकृति हो चुकी जल्द ही टेंडर प्रक्रिया के बाद निर्माण प्रारंभ होगा। इससे मातृ एवं नवजात शिशुओं की देखभाल की स्विधा में और इजाफा होगा। इसके अलावा पेइंग वार्ड बनाया जाएगा जिसमे 25 फोर बेड और डबल बेड वाला 20 रूम, 5 स्वीट रूम भी बनेगा। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, पार्षद शिव नायक, गुड्ड यादव, कमल देवांगन, कुलेश्वर साह्, अनुप गटागट, हिमांशू सिंह, सींएचएमओ डॉ. मनोज दानी सिविल सर्जन डॉ. आशीष मिंज, डॉक्टर एवं अस्पताल स्टाफ उपस्थित रहे।

को निर्देशित किया कि मरीजों को उत्तम चिकित्सा सुविधाएं एवं समुचित उपचार उपलब्ध कराया जाए। मौके पर उपस्थित सिविल सर्जन और सीएचएमओ को ओपीडी के सभी विभागों में डॉक्टर व स्टॉफ निर्धारित समय पर उपस्थिति देने कहा। दवाईयों की उपलब्धता उपकरणों की जानकारी ली।

मंडारा और रैली के बाद कचरा फैलाने वालों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज 🕪 दुर्ग

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने शहर क्षेत्र का किया निरीक्षण किया। उन्होंने धार्मिक और सामाजिक आयोजनों के बाद शहर में फैलने वाली गंदगी पर कड़ा रुख अपनाते हुए सभी आयोजन समितियों को पत्र जारी कर चेतावनी दी है कि कार्यक्रम के दौरान या बाद में सार्वजनिक स्थलों पर

 कार्यक्रम से निकला कचरा खुद साफ करें आयोजक

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन एवं निपटान नियम 2016 का उल्लंघन है और इसके लिए आयोजक पुरी तरह जिम्मेदार होंगे।

निगम के अनुसार शहर में समय-समय पर धार्मिक भंडारे, शोभायात्रा, रैली और सामाजिक सभाओं का आयोजन किया जाता है। इन कार्यक्रमों में शामिल लोग भोजन करने के बाद डिस्पोजेबल प्लेट, गिलास, बोतल और आतिशबाजी से उत्पन्न कचरा सडकों और सार्वजनिक स्थानों पर फेंक देते हैं। इससे न केवल शहर की सुंदरता बिगड़ती है, बल्कि साफ-सफाई व्यवस्था भी बाधित होती है।



निगम का फरमान, स्वयं के व्यय से करनी होगी सफाई

निगम आयुक्त सुमित अग्रवाल ने निर्देश दिया है कि आयोजक अपने कार्यक्रम से उत्पन्न कचरे की सफाई और निपटान की व्यवस्था स्वरां के त्यय से करें। यदि आयोजक ऐसा नहीं करते हैं, तो निगम अपनी ओर से सफाई करवाएगा और उसका खर्च आयोजन समिति से वसूला जाएगा।

पूरी जिम्मेदारी आयोजकों की, निगम चलाएगा अभियान

निगम ने दोहराया कि साफ-सफाई व्यवस्था प्रभावित होने या नियम उल्लंघन की स्थिति में पूरी जिम्मेदारी आयोजन समिति की होगी। शहर की स्वच्छता और सौंदर्य बनाए रखने के लिए निगम ने सभी आयोजकों से सहयोग की अपील भी

पीएम सूर्य घर योजना : 10 से 14 तक दर्ग-भिलाई में लगेंगे शिविर

दर्ग। प्रधानमंत्री सर्य घर योजना के तहत रुफटॉप सोलर प्लांट लगाने के इच्छुक विद्युत उपभोक्ताओं के लिये दुर्ग-भिलाई में 10 से 14 अगस्त तक पंजीकरण शिविर लगाए जा रहे है। इन शिविरों का उद्देश्य नागरिकों को इस योजना की जानकारी देना और मौके पर ही पंजीकरण की सुविधा उपलब्ध कराना है। इन शिविरों में सुबह 10 बजे से ही उपभोक्ता भाग ले सकेंगे। शिविर स्थल 10 अगस्त को तालपुरी-ए ब्लॉक रिसाली जोन, 11 अगस्त सियान सदन नेहरू नगर जोन महेश कॉलोनी दुर्ग, बघेरा जोन कशाभाऊ ठाकरे भवन जवाहर नगर जोन, दुर्ग एवं काली मंदिर रोड सामुदायिक भवन चरोदा भिलाई-चरोदा जोन, 12 अगस्त नगर निगम हॉल दुर्ग टाउन जोन में लगाया जाएगा।

By Train-रिजर्वशन कोच

७ ज्योतिर्सिंग यात्रा श्री द्वारिकाधीश, श्री भेंट द्वारिका, सोमनाथ, नागेश्वर,

ओमकालेश्वर, महाकालेश्वर, भीमाशंकर, घृष्नेश्वर, ममलेश्वर रूखमणि मंदिर, गोपी तालाब, त्रयम्बकेश्वर, शिरडी साई बाबा, शनि सिंघ्नापुर, नाशिक, पंचवतटी, हनुमान जन्म स्थल

शिः स्लीपर-१३५६१/- ऑफर १६.५०१/- . ३८८-२३,५६१/- ऑफर २६.५०१

Head Office : किटी केंटर मॉल ग्राउण्ड पलोर पावर हाउस रोड कोरबा (छ.म.)

११ सितंबर, ३ अक्टूबर, १३ नवंबर, १८ दिसंबर, 24 दिसंबर 2025 (12 दिन)

सुविधा ज्यादा सबसे कम राशि पर

परापतिनाय, माँ मनोकामना देवी, लुम्बिन (भगवान बुद्ध का जन्म त्यान), पोखरा (गुप्तेश्वर महादेव,डेविड फॉल विंध्यवासिनी मंदिर, फेवालेक), काठमांडू (बुद्धा नीलकंठ, बुद्ध स्तूप)

जन्मभूमि), जनकपुर (सीता मईया का जन्म स्थल) पाल विदेश याजा के इंडिविज्ञुअल (व्यक्तिगत) पैकेज के लिए संपर्क करें।

गोरखपुर, बनारस (श्री काली विश्वन १व ज्योतिर्लिंग), अयोध्या (श्रीराम

राशिः-स्लीपर १७५००/-, ३ एसी २७,५००/-, २ एसी ३०,५००/-[+ **५% GST**

संपर्क करें:-7354-411411

बिजनेस साइट

अब दुर्ग में हो रहा ब्रेन का दिल्ली-मुंबई जैसा ट्रीटमेंट

बस स्टैंड दुर्ग के संचालक डॉ. पहुंचाया और उन्होंने मरीजों की

प्रशांत अग्रवाल ने बताया के उन्होंने अपनी मेडिकल की पढाई देश के सर्वोच्च संस्थान एम्स, दिल्ली और पीजीआई, चंडीगढ़ से प्राप्त की है।

डॉ. प्रशांत बताते हैं । पहले दुर्ग भिलाई के लोगों को अपने ब्रेन स्ट्रोक-लकवे, जलन, चुभन, हाथो में कम्प्पन, चक्कर आना, क्लस्टर हेडएक, पर्किन्सस डिजीज, मिर्गी, डेमेंशीया. पैरो में दर्द - गठिया, डिप्रेशन, सिजोफ्रेनिया, नर्कोलेप्सी इत्यादि के इलाज के लिए मुंबई-दिल्ली जाना पड़ता था अब वहीं उत्कृष्ट इलाज दुर्ग में एडवांस्ड न्यूरो माइंड क्लिनिक में दिया जा रहा है। डॉ. अग्रवाल बताते

भिलाई। एडवांस्ड न्यूरो माइंड हैं कि उनके एम्स के नोलेज से क्लिनिक, सौभाग्य कॉम्प्लेक्स, उन्होंने हजारो मरीजों को लाभ

> दवाईयां एक समय के बाद बंद भी कर दी। डॉ. प्रशांत बताते हैं कि मरीजों को फिजूल की दवाई बिना चिकित्सकीय सलाह के नहीं लेना चाहिए और

पछना चाहिए के उनकी दवाइया कितने दिन में बंद हो जाएगी और क्या कछ खाने पीने में परहेज करना चाहिए। डॉ. प्रशांत ने बताया कि ब्रेन और माइंड की समस्या लाइलाज नहीं होती बस एक सही चिकित्सक से मिलने की आवश्यकता रहती है। डॉ. प्रशांत पिछले 7 वर्षों से सौभाग्य

अपनी सेवाए दे रहे हैं।

अपने डॉक्टर से जरुर काम्प्लेक्स, दुर्ग बस स्टैंड के सामने

ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने किया निरीक्षण

थनौद के पास बने बोगदा की बढ़ेगी ऊंचाई

भारतमाला परियोजना के अंतर्गत टेडेसरा

से थनौद, उतई, पाटन के रास्ते अभनपुर होकर नया रायपुर से जुड़ने वाले नए सिक्सलेन का काम इन दिनों तेजी से जारी है। करीब 92 किलोमीटर की इस सडक के निर्माण को लेकर कई अनियमितताएं सामने आ रही है। ऐसा ही एक मामला पिछले दिनों ग्राम थनौद के पास सामने आया, जहां बोगदा पुल इतना छोटा बनाया गया है, कि वहां से बड़े वाहन नहीं गुजर पा रहे हैं। इसे लेकर ग्रामीणों ने आपत्ति की। इसके बाद ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने शुक्रवार को स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने एनएचएआई के अधिकारियों को मौके

पर बुलवाया। तत्काल व्यवस्था सुधार के



बोगदा निर्माण के दौरान बड़ी लापरवाही सामने आई है। ग्रामीणों ने बताया कि बोगदा का करीब 5 फीट निर्माण किया जाना था। इसके लिए सड़क को ही एक मीटर खोद दिया गया। इस प्रकार बोगदा को 5 फीट ऊंचा दिखाने का प्रयास किया गया। इससे बोगदा में जहां बारिश का पानी जमा हो गया, वहीं भारी वाहनों की आवाजाही नहीं हो पा रही थी। ग्रामीणों ने इसका विरोध किया। अब इसकी ऊंचाई बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बहरहाल इसमें अंतिम निर्णय नहीं किया गया है।

निर्देश दिए। इसके बाद रोड से बोगदा की ऊंचाई साढ़े 5 फीट किए जाने का निर्णय लिया गया। साथ ही बारिश के दिनों में वैकल्पिक मार्ग के लिए जीरा गिट्टी डालकर रास्ता बनाया गया। सरपंच

मेनका देशमुख, जनपद सदस्य संगीता साहू, दिनेश देशमुख, मोहन हरमुख, राधेश्याम चक्रधारी, लुकेश, गिरधर, मिलन चक्रधारी, रामचंद्र कुंभकार, मोरध्वज चक्रधारी सहित अन्य मौजुद थे।

अधिकारियों को किया निर्देशित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है। बोगदा को

सड़क से करीब साढ़े ५ फीट ऊंचा बनाया जाएगा. ताकि टैक्टर और

अन्य बडे वाहनों की आवाजाही हो सके। किसानों ने इसे लेकर शिकायत की थी। इस वजह से वे स्थल पर पहुंचे

-ललित चंद्राकर, विधायक दुर्ग ग्रामीण





रक्षाबंधन पर साड़ी पहनकर दिखेंगी स्टाइलिश, बस अपना लें ये तरीका

लाइव इवेंट

आदिवासी दिवस पर बस्तर के रीलो नृत्य की पेंटिग प्रदर्शित

भिलाई। विश्व आदिवासी दिवस के लिए प्रख्यात मॉडर्न आर्ट चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी ने नयनाभिराम पेन्टिंग का निर्माण किया



जहां पूरी दुनिया के आदिवासी लोग हर्षोल्लास के साथ प्रकृति के प्रति कृतज्ञता हैं। करते आदिवासी समाज का प्रतिनिधित्व करने वाले वरिष्ठ कलाकार डीएस विद्यार्थी ने अपनी कला में निरंतर सामाजिक परम्परा

का चित्रण किया है। प्रस्तुत पेन्टिंग में विद्यार्थी ने बस्तर के रीलो नत्य का वर्णन किया है जिसके पीछे मां दंतेश्वरी परिलक्षित हो रही हैं। उनकी निरंतर कलायात्रा और शानदार चित्रण शैली पर प्रसिद्ध चित्रकार बी.एल.सोनी, रंगकर्मी विजय शर्मा, मोहन बराल, प्रवीण कालमेघ, मीना देवांगन, साहित्यकार मेनका वर्मा और लिलत कला अकादमी के बोर्ड मेम्बर अंकुश देवांगन ने उन्हें बधाई दी है। चित्रकार डी.एस.विद्यार्थी समकालीन भारतीय कलाजगत में अपने विशिष्ट प्रकार की शैली के लिए जाने जाते हैं। शोख चटख रंगों से परीपूर्ण उनकी कला बरबस ही भारत के महान चित्रकार राजा रवि वर्मा की याद दिला जाते हैं।

सिटी इवेंट

धरा सम्मान का रजत जयती समारोह 14 को, जुटेंगे प्रबुद्धजन



भिलाई। कीर्ति शेष देवीप्रसाद चौबे की स्मृति में स्थापित एवं लोकजागरण के लिए प्रदत्त वसंधरा सम्मान के रजत जयंती वर्ष पर सुपरिचित पत्रकार, लेखक एवं सम्पादक राहल देव को 25वें वसुंधरा सम्मान से सम्मानित किया जाएगा। लोकजागरण की मासिक पत्रिका वसुंधरा के द्वारा वसुंधरा सम्मान की स्थापना 2001 में की गई थी। यह सम्मान सामाजिक-साहित्यिक पत्रकारिता एवं लेखन के क्षेत्र में प्रदीर्घ समर्पण के लिए प्रदान किया जाता है। भिलाई के कला मंदिर सभागार में छत्तीसगढ़ राज्य के 5 सौ से अधिक प्रबद्धजनों, लेखकों, पत्रकारों, संपादकों की मीजुदगों में यह सम्मान हर साल 14 अंगस्त को प्रदान किया जाता है। समारोह में प्रतिवर्ष पत्रकारिता से संबंधित गम्भीर विषयों पर संबोधन इस आयोजन का एक महत्वपर्ण हिस्सा है। अब तक प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी, डॉ रमन सिंह, भूपेश बघेल, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल, प्रेम प्रकाश पाण्डेय, डॉ चरणदास महंत, प्रभाष जोशी, डॉ. प्रभाकर श्रोत्रिय, डॉ. हिमांशु द्विवेदी, रमेश नैयर, सुनील कुमार जैसे अन्य प्रतिष्ठित पत्रकार और लेखक समारोह में मुख्य वक्ता के रूप में समारोह को सम्बोधित कर चुके हैं। वसुंधरा सम्मान छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पत्रकारिता के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान करने वाले स्व.देवी प्रसाद चौबे की स्मित में हर साल प्रदान किया जाता है। 25 वर्ष से लगातार होने वाले इस आयोजन में यह सम्मान अब तक रमेश नैयर, श्यामलाल चतुर्वेदी, कुमार साहू, बसंत कुमार तिवारी, विनोद शक्ल, शरद कोठारी, बंबन प्रसाद मिश्र, डॉ.हिमांश द्विवेदी, दिवाकर मुक्तिबोध, आशा शुक्ल, गिरिजाशंकर, ज्ञान अवस्थी, श्याम वेताल, अभय किशोर, सुशील त्रिवेदी, गिरीश पंकज, बी.के.एस.रे., प्रकाश दुबे, तुषार कांति बोस, ई.वी.मुरली आदि को 2024 को प्रदान किया जा चुका है।

सावन में दक्षिण भारतीयों ने मनाया वरलक्ष्मी व्रत, घर में कलश सजाया



को तेलुगू समाज की सुहागिनों द्वारा घर-घर वर लक्ष्मी व्रत और पूजा विधि-विधान किया गया। इस अवसर पर माता लक्ष्मी की मरत बनाकर पारंपरिक व्यंजनों का भोग लगाया गया। इस व्रत के लिए गुरुवार

को विवाहित महिलाओं ने सूर्योदय से सूर्यास्त तक व्रत रख पूजा की तैयारियाँ की।

शुक्रवार को सूर्योदय से ठीक पहले सुबह जल्दी उठकर स्नान कर घर की सफाई की और आंगन रंगोली व कलश से सजाया। कलश को चंदन के लेप से लेपित किया और उसमें विभिन्न क्षेत्रों की विभिन्न वस्तएँ भरी गई। कलश को भरने के लिए कच्चे चावल, सिक्के, हल्दी और पत्तियों का उपयोग किया गया। हल्दी लगा नारियल की पूजा की। पूजा की शुरुआत भगवान गणेश की पूजा, श्लोकों का पाठ, आरती और भगवान को मिठाई का भोग लगाकर किया गया। महिलाओं ने अपने हाथों पर पीले धागे बांधकर उपहारों का आदान-प्रदान किया। मान्यतानुसार उबली हुई फलियां, पोंगल और गुड़ से बनी मिठाइयाँ बाँटी जाती हैं। भक्त शनिवार को अनुष्ठान पूरा करते हैं और स्नान के बाद कलश को हटा देते हैं। ऐसा माना जाता है कि वरलक्ष्मी व्रत करने से शांति, समृद्धि और आर्थिक लाभ मिलता है।

• दुर्ग शहर में पार्थिव शिवलिंग के रुद्राभिषेक के साथ मधुर गीत एवं आकर्षक झांकी की हुई प्रस्तुति

100 से अधिक विवाहित जोड़ों ने पार्थिव शिवलिंग का द्रव्यों व अष्टगंधों से किया रुद्राभिषेक, नृत्य की दी प्रस्तृति

दुर्ग। धार्मिक नगरी दुर्ग के गंजपारा में शुक्रवार को पार्थिव शिवलिंग बनाकर संगीतमय महारुद्राभिषेक का आयोजन माहेश्वरी ट्रेडर्स गंजपारा परिसर में आयोजित किया गया था। जिसमें लगभग सौ से अधिक जोड़ों ने 7 अलग-अलग रूपों में बनाई गई भगवान भोलेनाथ के पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया। इस आयोजन में शहर के सामाजिक, धार्मिक एवं राजनीतिक जन उपस्थित होकर अपने हाथों से भगवान भोलेनाथ के पार्थिव शिवलिंग का निर्माण कर विभिन्न द्रव्यों और अष्टगंधों से रुद्राभिषेक किया।





आमगांव से आए थे मोले के दीवाने ग्रुप

आमगांव से आये हुए भोले के दीवाने ग्रुप के प्रमुख मनीष शर्मा और साथियों ने मिलकर बाबा भोलेंगाथ की ऐसी आकर्षक शिवलिंग बनाया. जिसे देखकर सभी भक्त भक्ति में इब गए। ममता महेश टावरी परिवार द्वारा रुद्राभिषेक के आयोजन में धर्मप्रेमियों ने उपस्थित होकर पार्थिव शिवलिंग का विधि-विधान से अभिषेक किया। इस अवसर पर सात शिवलिंग बनाई गई थी जिसमें सभी धर्मप्रेमियों ने चारों तरफ बैठकर दूध, दही,घी, शहद, गंगाजल, शक्कर सहित विभिन्न द्रव्यों से अभिषेक किया। रुद्धाअभिषेक के बीच-बीच में भोलेनाथ की आकर्षित झांकी भी प्रस्तुत की गई। जिसमें भगवान शंकर का विकराल तांडव नृत्य और राधाकृष्ण की झांकियों के साथ भजनों में उपस्थित भक्त भक्ति में नाचते-झूमते रहे। शिव की

आई बरात भजन में शिव-पार्वती का सुंदर नृत्य और कन्हैया मोर बने आयो भजन में राधा-कृष्ण के संग नृत्य में धर्म प्रेमी भवित में डुबे रहे।

गायत्री मंत्र जाप कर बताया महत्व

अभिषेक में पूजन के लिए सभी सामग्री को व्यवस्थित रख था जिसे उपस्थित सौ से अधिक विवाहित जोड़ों ने 7 अलग-अलग रूपों में बनाई गयी पार्थिव शिवलिंग का रुद्राभिषेक किया। भोले के दीवाने ग्रुप द्वारा पूरे त्यामठी से अभिषेक करवाया अभिषेक पश्चात सभी धर्मप्रेमियों ने भोजन प्रसादी ली। अभिषेक कराने आए मनीष शर्मा ने सभी भक्तों को लगातार गायत्री मंत्र जाप करने कहा और इस मंत्र के लाभ और रामचरितमानस के बालकांड का महत्व और अर्थ बताया। इस मंत्र का नियमित जाप करने से बुद्धि शुद्ध होती है और व्यक्ति को सही माठ पर चलने की प्रेरणा मिलती है।

संपरिवार किया

में विशेष रूप से शहर के विधायक गजेंद्र यादव, पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर धीरज बाकलीवाल



आर एन वर्मा, राजेश यादव. चतुर्भुज राठी कृष्ण कुमार टावरी. कैलाश अशोक राठी, योगेन्द्र शर्मा बंटी. प्रहलाद रुंगटा, प्रतिभा सुरेश गुप्ता, कुलेश्वर साहू मुकेश राठी.

राहुल शर्मा, मनोज टावरी, राजेश शर्मा, गोपाल शर्मा, रामदेव टावरी, संतोष चांडक, विनय चांडक, सुरेन्द्र शर्मा, सुजल शर्मा, अजय शर्मा, कृष्णकांत दुबे, मनोज गुप्ता, दिनेश शर्मा, रवि पीदियार, नरेंद्र राठी, आलोक सुराना, आलोक चांडक, सुरेंद्र राठी सहित सैकड़ो धर्मप्रेमी उपस्थित हुए।

रासेयो और स्कूली बच्चों ने निकाली नशा मुक्ति के लिए जागरुकता रैली

भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना प्रकोष्ठ एवं स्कूल शिक्षा विभाग, जिला दर्ग के द्वारा मादक पदार्थों के वरुद्ध नशा मुक्ति हतु विशाल जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। रैली में स्कल तथा महाविद्यालयों के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्काउड गाईड के छात्र-छात्रओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया। यह आयोजन नशा मुक्त, स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया । रैली मालवीय नगर चौक दुर्ग से प्रारंभ होकर राजेंद्र पार्क चौक होते हुए रेलवे स्टेशन तक पहुंची। तत्प"चात छात्र-छात्रओं ने रेलवे स्टेशन पर नुक्कड़ नाटक की प्रस्तित दी। छात्र-छात्रओं ने अपनी मनमोहक प्रस्तुति से उपस्थित आमजनमानस को प्रेरित एवं प्रभावित किया।



<u>स्वस्थ तन, मन, धन के लिए नशा मुक्त समाज जरूरी</u>

इस जागरूकता रैली के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में हेमचन्द यादव विश्वविद्यालय, दुर्ग के कुलपति प्रो. संजय तिवारी उपस्थित थे। स्कूल शिक्षा विभाग, दुर्ग के ज्वाइन डायरेक्टर, के आर. एल. ठाकुर एवं जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा विशष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। हेमचंद्र यादव विश्वविद्यालय कलसचिव. भपेंद्र कलढ़ीप ने कार्यक्रम में अध्यक्षता की। राष्ट्रीय सेवा योजना, स्काउड गाईड के विद्यार्थियों द्वारा सभी अतिथियों का एन एस एस. बैज एवं तिलक लगाकर तथा रक्षा सत्र बांधकर स्वागत किया । कुलपति ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ तन, मन, धन के लिए नशा मुक्त समाज बहुत आवश्यक है।

राखी बांधकर बीएसएफ के जवानों से बहनों की सुरक्षा का लिया वचन





भिलाई। रक्षाबंधन एक सांस्कृतिक त्यौहार है, जो हमारी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे ले जाने में मदद करता है। जो की भाई-बहनों के अटूट प्यार और स्नेह का प्रतीक है। इसी कड़ी में रक्षाबंधन के अवसर पर दुर्ग सांसद विजय बघेल की धर्मपत्नी रजनी बघेल ने शुक्रवार को रक्षाबंधन के एक दिन पहले बीएसएफ के जवानों को रिसाली स्थित उनके फ्रंटियर हेड क्वार्टर में जाकर राखी बांधी और उनके लिए लंबी उम्र व ख़ुशहाल जीवन के लिए कामना की। इस अवसर पर जवानों ने रक्षाबंधन के महत्व को ध्यान मे रखते हुए देश की रक्षा करने और बहनों की सुरक्षा का वचन दिया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से पूर्व पार्षद उपासना साह, निधि चंद्राकर, नीता चौरसिया, पायल जैन, अनीता वर्मा, अर्चना यादव, जे. लिलता सहित काफी संख्या में महिलायें उपस्थित थीं।

सेंट्रल जेल में आर्य समाज दुर्ग का आयोजन

सेंट्रल जेल दुर्ग में हुआ सत्संग, सकारात्मक विचारों की बही गंगा, भावुक हुए कैदी व बंदी



भिलाई। छत्तीसगढ़ प्रांतीय आर्य प्रतिनिधि सभा और दुर्ग आर्य वीर दल के संयुक्त तत्वावधान में सेंट्रल जेल दुर्ग में एक विशेष भजन-सत्संग और वैदिक प्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें भक्ति, आत्मशुद्धि और सुधार की प्रेरक विचारधारा प्रवाहित किया गया।

कार्यक्रम की शुरुआत ईश्वर स्तुति, प्रार्थना और उपासना के वैदिक मंत्रों से हुई, जिसका पठन आचार्य अंकित शास्त्री ने किया। उन्होंने बंदियों को प्रेरित करते हुए कहा कि प्रतिदिन ध्यान करें, आध्यात्मिक चिंतन करें, सकारात्मक साहित्य पढें और नियमित व्यायाम के माध्यम से अपने जीवन को नई दिशा दें। जेल का समय आत्मनिर्माण का अवसर बन सकता है। इसके बाद यूपी कासगंज से आए प्रसिद्ध भजन गायक सुकांत आर्य ने अपने सुमधुर भजनों और उपदेशों से भावविभोर कर दिया। उन्होंने समझाया कि ईश्वर की भक्ति से ही जीवन का निर्माण होता है और आत्मा का शुद्धिकरण संभव है।



पश्चाताप के आंसू करते हैं पवित्र, सद्कर्म और सद्विचार लाने में होते हैं मददगार

मुख्य वक्ता के रूप में प्रख्यात वैदिक विद्वान आचार्य डॉ. अजय आर्य ने प्रवचन में कहा कि पश्चाताप के . आंस्रू जीवन को पवित्र करते हैं। जब कोई भक्त सच्चे मन से रोता है, तो ईश्वर करुणा करते हैं और अंधकार को दूर कर देते हैं। उन्होंने भक्ति सूत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि भक्ति का फल सत्संगति, सत्कर्म, और सद्विचारों में परिपक्व होता है। गीता का का उदाहरण देते हुए बताया कि किए गए कर्मों का फल अवश्य मिलता है। शुभ कर्मों का शुभ और गलत का अधुभ। एक कैंद्री हर दिन अपनी सजा गिनकर

कार्यक्रम में ये <u>रहे मौजुद</u>

कार्यक्रम में विशेष रूप से आचार्य अंकित शास्त्री, मनोज ठाकरे, डॉ. अजय आर्य, भजन गायक सुकांत आर्य, रबीबाला गुप्ता, तुषार आर्य, कृष्णमूर्ति, कविता, हिमांशु सहित्र अनेक बंदीजन व प्रहरीगण उपस्थित रहे। सेंट्रल जेल के अधीक्षक मनीष सम्भाकर और प्रहरी राजेश कुमार साहू के सहयोग के लिए आर्य समाज ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में सत्यार्थ प्रकाश की प्रतियां वितरित की गईं एवं बंदियों को वैदिक मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई।

सिटी इवेंट

रक्षाबंधन के रंग-स्वच्छता प्रहरी के संग 125 स्वच्छता दूतों को बांधा रक्षा सूत्र



भिलाई। शिव शक्ति महिला समिति और अंतरराष्ट्रीय सनातन महासंघ के संयुक्त तत्वाधान में रक्षाबंधन का पर्व, स्वच्छता प्रहरी के संग का आयोजन वैशाली नगर में किया गया। इस दौरान सामाजिक संगठनों की महिला सदस्यों ने पर्यावरण के साथ-साथ जनता के लिए स्वच्छता के माध्यम से सेवा करने वाले स्वच्छता के प्रहरी कर्मियों की कलाई पर रक्षा सुत्र बांधकर उनके स्वस्थ जीवन की कामना की। आयोजन की जानकारी देते हुए आयोजन की संयोजिका नीता चौरसिया ने बताया कि 6 से 9 अगस्त तक चार दिवसीय रक्षाबंधन पर्व का आयोजन हमारी महिला संगठनों द्वारा किया जा रहा है।जिसके पहले दिन दुर्ग जेल के बंदी भाइयों को रक्षा सूत्र बांधा गया। इसी तरह आज हम सब समाज के अंतिम व्यक्ति के माथे पर तिलक और कलाई पर रक्षा सुत्र बांधकर उनकी आरती कर उनके मंगल में जीवन की कामना की।

कार्यक्रम का थीम रक्षाबंधन का पर्व, स्वच्छता प्रहरी के संग के उद्देश्य से किया गया था। जिसमें समाज को संदेश देते हुए हुए 365 दिन तक हमारे घर के सुखे एवं गीले कचरे को नियमित रूप से घर से ले जाने वाले सफाई प्रहरियों को रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें संबल देने रक्षाबंधन का उत्सव मनाया गया। आभार प्रदर्शन आयोजन की संयोजिका अनु राणा ने किया। इस अवसर पर विधायक रिकेश सेन, मिथिला खिचरिया, नीता चौरसिया, अन राणा, सोनी त्रिपाठी, ललिता पिल्ले, माया बोरकर, संगीता लहरी, सुधा यादव, सुषमा ताम्रकार, मीना सोनी, सुधा यादव, हिमांशी, संगीता, रश्मि साहू, रेखा पटेल सहित सामाजिक संगठनों से अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सिटी लाइव

डॉ. जलंधर सिंह को इंट्रीग्रेटेड ग्लोबल यूनिवर्सिटी से मिली डॉक्टर की उपाधि



भिलाई। भिलाई। डॉ. जलंधर सिंह को इंटीग्रेटेड ग्लोबल युनिवर्सिटी ने मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। युनिवर्सिटी आईएसओ 9001:2018 प्रमाणित संस्थान है। जीएनसीटी दिल्ली के तहत ट्रस्ट एक्ट 1961 के अंतर्गत पंजीकृत है। यह सम्मान उनके समाज के प्रति असाधारण योगदान और प्रतिबद्धता के लिए प्रदान किया गया। समारोह में यनिवसिटी के प्रतिनिधियों ने डॉ. जलधर सिंह की सामाजिक सेवा, नेतृत्व और समाज के उत्थान में उनके उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। इंटीग्रेटेड ग्लोबल यनिवर्सिटी. जो अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त संस्था है। अमेरिकन लाइब्रेरी यूएसए का संस्थागत सदस्य है। संस्थान ने कहा कि डॉ. जलंधर सिंह ने अपने कार्यों से समाज में सकारात्मक बदलाव लाने का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। उनकी उपलब्धियां और समर्पण न केवल प्रेरणादायक है, बल्कि दूसरों के लिए भी एक मिसाल है। इस समारोह में संस्था के डायरेक्टर तपन काकोटी सहित विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों, शिक्षाविदों और सामाजिक व्यक्तियों ने भाग लिया। डॉ. जलंधर सिंह ने कहा कि यह मेरे लिए गर्व का क्षण है। मैं अपने कार्यों को और अधिक उत्साह के साथ समाज के कल्याण के लिए समर्पित करता रहूंगा।

समाज इवेंट

देश में 8.6 प्रतिशत मूलनिवासी जनजातियां निवासरत : डॉ. मंडावी

भिलाई। 9 अगस्त शुक्रवार को दुनियां भर के आदिवादियों ने मुलनिवासी दिवस मनाया है। इसे लेकर डॉ. वेदवती मंडावी ने कहा कि यह दिवस आदिवासियों के लिए संजीवनी का काम किया है। वास्तव में अब ये मूलनिवासी स्वयं को शोषण से मुक्त करने में सक्षम हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ के रिपोर्ट के अनुसार



विश्व के 90 देशों में 476 मिलियन मूलनिवासियों को चिन्हित किया गया है, जो विश्व की कुल जनसंख्या का 8.2प्रतिशत है। भारत में 2011की जनगणना के अनुसार 8.6प्रतिशत तथा मान्यता प्राप्त 730 से अधिक मलनिवासी जातियां निवास करती हैं। विश्व के 90देशों में प्रमुख मूलनिवासियों

में इका ओलमेक कोला, टोबा, विंची क्योचुवा, अपाचे, मापुचे, मिस्किटो यूपिक, इनपुट, हुतु, शोना, बुशमन, मसाई, रेडइंडियन, जुलु, इगबो, हु रॉन, एस्किमो, जुलु, मेडिका, फूला, जारवा, अपाचे, मापुचे, क्यापो आदि हैं। भारत में गोंड खोड गारो, खासी, भील, कोल, संथाल, उरांव मुंडा, मीणा, कंवर, हल्बा, बैगा, भतरा, बिंझवार, धनवार, कमार, प्रधान, पारधी, नगेशिया, संवरा निवास करते हैं। इन आदिमजनों को ऑस्ट्रेलिया मे एबोरिजंन ल, अफ्रीका में एथनिक ट्राइबल तथा भारत में आदिम जा तियोंकोजनजाति कहा जाता है। 1993को मूलनिवासी वर्ष और 1994से 2004तक मूलनिवासी दशक वर्ष घोषित किया गया। छत्तीसगढ़ में इस दिवस की लोकप्रियता 2009 तथा2011राष्ट्रीय स्तर पर राजधानी रायपुर हर्षोल्लास से मनाया गया।

• गृहग्राम गनियारी में 79 वें जन्मदिन कार्यक्रम में जुटे कलाकार, रिश्तेदार व ग्रामीण, दीर्घायु की कामना

पंडवानी देख खुशी से भर आईं तीजन की आंखें, कलाकारों ने की हौसलाआफजाई

विमल शंकर झा। अपने मोहक पंडवानी गायन से पूरी जिंदगी छत्तीसगढ़ और देश का नाम देश विदेश में रौशन करेने वालीं पंडवानी गायिका पद्मविभूषण तीजन बाई के लिए शुक्रवार 8 अगस्त का दिन एक यादगार दिन था। लंबे समय बाद जब उन्होंने तंबूरे की तान सुनी तो उन्हें भावविह्न देख वे ही नहीं बल्कि उनके साथ अंचल के कलाकार, परिवार और गांव वाले भी भावविभोर हो गए। सभी ने उनके जल्द स्वस्थ होकर फिर से तंबूरा थामने की कामना की। यह खास खुशगवार दिन था तीजन बाई के जन्म दिन का। उनके गृहग्राम गनियारी में उनका 79 वां जन्म दिन मनाने के लिए निवास पर अंचल के लोक कलाकार, परिजन, रिश्तेदार और गांव के लोग जुटे। सभी ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके दीर्घायु होने और जल्द स्वास्थ्य लाभ की कामना की। खुशी और उत्साह के माहौल में आयोजित जन्म दिवस कार्यक्रम में परिजनों और कलाकारों ने तीजन बाई की वर्षगांठ का केक काटा और गुलदस्ते तथा उपहार भेंटकर उन्हें छत्तीसगढ़ का गौरव बताते हुए दीर्घ कलात्मक योगदान को अतुलनीय बताया। प्रसिद्ध पंडवानी गायिका टोमिन बाई निषाद कोंकड़ी ने बताया कि मैंने तीजन बाई को गुरु मानकर एकलव्य की तरह पंडवानी गायन सीखा और देशभर में तंबूरा बजा रही हूं। दुनिया में पंडवानी में पंडवानी को सम्मान दिलाने वाली ऐसी समिपित बड़ी कलाकार को आज अस्वस्थ देखकर मन भारी है, हम सबकी दुआ है कि वे जल्द स्वस्थ होकर फिर से तंबूरा थामें। तीजन की पंडवानी मंडली के पूर्व सहकलाकार तुकाराम देशमुख ने कहा कि तीजन बाई के साथ कई देशों में पंडवानी के कार्यक्रम देने का अवसर मिला, यहां की तरह विदेश में भी उनकी पंडवानी सुनने हजारों लोग आते थे। कलाकार चैतराम साहू ने कहा कि तीजन बाई ने 60 साल तक घर परिवार की जिम्मेदारी निभाते हुए पंडवानी को जिस तरह ऊंचाई दी,वह बेमिसाल है। छग फिल्म कलाकार उर्वशी साहू ने तीजन बाई को छग की धरोहर बताते हुए जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर पंडवानी गायिका पुष्पा निषाद व लोक कलाकारछत्रसाल देशलहरा,पीएस ठाकुर, शारदा देशलहरा,रोहित कुमार साह, कुलेश्वर ठाकुर, तुकाराम आदि विभिन्न स्थानों से आए कलाकार व परिजन तथा गांव के लोग उपस्थित थे।



सह कलाकारों व टोमिन बाई ने पंडवानी के साथ योगदान को बताया अतुलनीय

इस अवसर पर जब पंडवानी गायिका तीजन बाई के सम्मान उनकी पंडवानी मंडली के कलाकारों ने पंडवानी की प्रस्तुति दी तो यह कलाकारों के साथ व्हीलचेयर पर बैठीं तीजन के लिए भी भावुक कर देने वाला पल था। पंडवानी सुनते देख बेबस



तीजन की आंखें खुशों से छलक पडीं। मोहक पंडवानी गायन कोंकडी की टोमिन बाई निषाद ने किया और तबला,पेटी, बेंजो, ढोलक, मंजीरा पर संगत तीजन बाई के मंडली के कलाकारों केवल देशमुख, चैतराम साहू मनहरण सार्वा ने की। मंच पर वरिष्ठ नरोत्तम नेताम थें। इसके पूर्व जंब तीजन बाई को उनकी बहुओं,नातिनों ,पोतियों

पंडवानी मंच पर लाने तैयार किया तो भी खुशी के साथ सभी बेहद भावूक हो गए। कलाकारों के बाद देरशाम को तीजन बाई के परिवार वालों और रिश्तेदारों ने केक काटकर उनके जल्द स्वस्थ होने और लंबी उम्र की दुआ की। तीजन के बेटे बिलहरण, बहन रंभा, बहु सुंबर,रेणू, सरस्वती सहित मेनका, उर्वशी,पुष्पा, बुलेश्वरी, भुवनेश्वरी, खुशी,भावना,जीवन, हेमंत,डायमंड,शुभम परिजन व दूरदराज से पहुंचे रिश्तेदार उपस्थित थे।

कला के कर्णधार भूले बधाई देना

13 साल की उप्र से कलासाधना कर दो साल पूर्व तक देश दुनिया में गायन से भिलाई सहित प्रदेश का नाम रौशन करने वाली पद्मभूषण डां तीजन बाई के जन्म दिवस पर कला, शासन व उन्हें बधाई व स्वास्थ्य लाभ की शुभकामनाएं देने की औपचारिक शिष्टता दिखाना भी जरूरी नही समझा। पैरालाइज अटैक के बाद दो साल से अस्वस्थ तीजन बार्ड का हौसला बढाने कोई नहीं दिन मनाने जटे लोककलाकारों में चर्चा क विषय रहा। जबकि दो साल पर्व उनके स्वस्थ रहने के दौरान हर साल उनके जन्म दिन पर उनके घर पर बधाई ढेने दिग्गजों का तांता लगा रहता था। देर रात तक दिल्ली से रायपुर तक बधाई देने मोबाइल घनघनाते रहते थे। तीजन बाई के जन्म दिन पर

मंडली के कलाकारो ने ही संवेदना द्रवित करते हुए अल्प संसाधनों से घर के बाहर नाली के किनारे पंडवानी प्रस्तुति देकर अपनी दुलौरिन पंडवानी गुरु को सम्मान दिया।

आयोजन

वृद्धाश्रम, कुली, पुलिस, जवान और संस्थाओं में सभी भाइयों को बांधा परमात्मा रक्षा सूत्र

ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय दुर्ग के द्वारा रक्षाबंधन का पर्व विभिन्न स्थानों में जाकर मनाया। इस आयोजन में ब्रह्माकुमारीज दुर्ग की संचालिका रीटा और रूपाली दीदी सहित अनेक ब्रह्मकुमारी बहनों द्वारा राखी बांधी गई।

जिसमें प्रमुख रूप से विज्ञान विकास केंद्र, केंद्रीय जेल दुर्ग, वृद्धाश्रम, बाल संप्रेषण गृह, एसटीएफ बघेरा, प्रथम बटालियन, जीआरपी स्टाफ व रेलवे स्टेशन के अधिकारी कर्मचारी एवं कुली, यातायात पुलिस दुर्ग, एनसीसी एवं पुलिस को बटालियन परेड ग्राउंड में, अण्डा थाना, पुलगांव थाना, मोहन नगर और जवान, अनेक शासकीय व अर्द्ध शासकीय ब्रह्माकुमारीज के संस्थाओं में सभी को परमात्मा रक्षा सूत्र बांधा गया। सहभागिता दिया।



रक्षाबंधन का संदेश देते हुए ब्रह्मकुमारी बहनों ने बताया वैसे तो भारत को त्योहारों व पर्वों का देश कहा जाता है जब भी कोई पर्व या त्यौहार आता है तो सभी के मन में खुशी, उमंग, उत्साह व रिश्तो में एक नई मिठांस घुल सी जाती है। सभी मनुष्य आत्माएं स्वयं को सुरक्षित महसूस करती

है। इस रक्षाबंधन में यह संकल्प करना है कि जो भी अवगुण या बुराइयां है जो स्वयं को दुःख देते हैं उसे बुराई व अवगुण को परमात्मा अर्पण करना अर्थात खर्ची के रूप में देना है जब हम यह दुढ़ संकल्प करते हैं तो परमात्मा की शक्ति हमें प्राप्त होती है। इस अवसर पर ब्रह्माकमारी चैतन्य प्रभा दीदी. कामिनी थाना, सिटो कोतवाली दुर्ग, होमगांड के अधिकारी 📉 दोदों, पूर्णिमा दोदों, मालती दोदों, रेणु दोदों व अनेक भाई-बहनों ने अपनी

पद्म विभूषण पंडवानी गायिका तीजन बाई का किया सम्मान

भिलाई । भाजपा जिला भिलाई के महामंत्री प्रेम लाल साह और नगर निगम भिलाई-चरोदा की पूर्व अध्यक्ष सीता साह सहित वरिष्ठ भाजपा नेता गजानंद गोस्वामी ने पंडवानी गायिका तीजन बाई के गनियारी निवास पहुंचकर जन्मदिन की बधाई दी। इस अवसर पर बिसंभर साहू, राज कुमार साहू, परमानंद नायक, कन्हैया साहू, भावेश साहू, पुरुषोत्तम पटेल, गीतेश साह, चंद्र शेखर साह, बसंत ठाकर, मंगल ढीमर एवं तोरण रिगरी भी उपस्थित थे।



छग संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान का आयोजन

ऑनलाइन संस्कृत महोत्सव से जुड़े संस्कृत प्रेमी, विद्यार्थियों को मिला लाभ

संस्कृत

संस्कृति का

भिलाई। छत्तीसगढ़ संस्कृत शिक्षा सेवा संस्थान द्वारा 15 दिवसीय रोचक, ज्ञानवर्धक, सरल और रोजगार परक संस्कृत शिक्षा समारोह का आयोजन किया गया। ऑनलाइन संस्कृत भाषा के इस शिक्षण कार्यक्रम में काफी संख्या में जुड़े संस्कृत व्याख्याताओं, शिक्षकों और विद्यार्थियों को लाभ मिला। गूगल मीट पर छत्तीसगढ़ के साथ उत्तराखण्ड, नई दिल्ली, चण्डीगढ़, वाराणसी, लखनऊ और उज्जैन से भी संस्कृत अनुरागी जुड़े। भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय लखनऊ की कुलपति डॉ.माण्डवी सिंह ने भरत मुनि के नाट्यशास्त्र पर व्यापक प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि

ऐसा कोई विषय वस्तु नहीं जो नाटक में प्रस्तुत न किया जा सके। भिलाई के आचार्य सरल, रोचक, डॉ.महेशचन्द्र शर्मा ने रूपकों और अभिनय के विविध भेदों ज्ञानवर्धक और पर प्रकाश डाला और कहा कि यूनेस्को ने भी नाट्यशास्त्र को विश्व धरोहर माना है। इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़

की डॉ.पूर्णिमा केलकर ने भी नाट्यशास्त्र पर बताया। गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर इन्दिरा कला संगीत विश्वविद्यालय खैरागढ़ के डॉ.राजन यादव ने गोस्वामी तुलसीदास जी के संस्कृत में योगदान का भी उल्लेख किया। डॉ.यादव ने बताया कि तत्सम और तद्भव शब्दों के अधिकतम प्रयोग द्वारा उन्होंने संस्कृत में बहुत योगदान दिया। आचार्य डॉ.महेश शर्मा ने लोग जुडे थे।



कहा कि तुलसी मूलतः संस्कृत विद्वान हैं। रामचरितमानस के मंगलाचरणी में उन्होंने बीस से अधिक सुन्दर संस्कृत पद्यों की रचना की है। अमृतसर से आये डॉ.रॉबिन शर्मा ने श्रीमद्भगवद्गीता प्रश्न मंच में विद्यार्थियों से रोचक 5-5 प्रश्न किये। विशेषज्ञों ने

व्याकरण के साथ काव्य प्रस्तति के लिए भी विद्यार्थियों को प्रशिक्षित किया। ऑनलाइन समारोह में ईश्वरी देवांगन, श्रुति तिवारी, सरस्वती श्रीवास्तव, श्रद्धा दुबे, आचार्य मुकेश चौबे, आचार्य हेमन्त शर्मा, ईश्वरी प्रसाद साहू, दुर्गेश नन्दिनी सोनी, रमेश कुमार उपाध्याय और शैलेश कुमार शर्मा सहित अनेक

एचएससीएल भिलाई में राजभाषा प्रतियोगिता का आयोजन

राजभाषा हिंदी के प्रति बढ़ाती है प्रेम और जागरुकता पोस्ट कार्ड लेखन प्रतियोगिता में दिखाई लेखन शैली

मिलाई। एचएससीएल भिलाई में आयोजित नराकास स्तरीय पोस्ट कार्ड लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। जिसका परस्कार वितरण एक समारोह आयोजित कर किया गया। नराकास स्तरीय पोस्ट कार्ड लेखन प्रतियोगिता का विषय मेरा हिंदी से जुड़ाव, एक भावनात्मक यात्रा और चित्र देखों-कविता लिखों प्रतियोगिता में कर्मियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्वलित और माल्यार्पण कर की गई। जिसमें मंत्रोच्चार ने वातावरण को आध्यात्मिकता से भर दिया। नराकास स्तरीय पोस्ट कार्ड लेखन एवं चित्र देखों-कविता लिखों प्रतियोगिता के पुरस्कार वितरण समारोह के मुख्य अतिथि संपर्क व प्रशासन जनसम्पर्क व प्रभारी राजभाषा महाप्रबंधक सौमिक डे और नराकास सचिव एचएससीएल भिलाई आंचलिक प्रमुख निशीथ कांति दास, सलाहकार तकनीकी वी के.शाह उपस्थित थे। प्रतियोगिता में निर्णायक बीएसपी के संपर्क प्रशासन व राजभाषा उपप्रबंधक जितेन्द्र दास मानिकपुरी, अनुराधा धनांक उपमंडल अभियंता-राजभाषा रहे।

कार्नर

न्यूज



हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रेम भी बढाती है राजभाषा

कार्यक्रम के दौरान सौमिक डे ने कहा कि हिंदी भाषा में रचनात्मकता और अभिव्यक्ति की शक्ति अपार है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल प्रतिभाओं को मंच देती हैं, बल्कि राजभाषा हिंदी के प्रति जागरूकता और प्रेम भी बढ़ाती हैं। निर्णायक मंडल से जितेन्द्र दास मानिकपुरी ने कहा कि एक विजयी सैनिक की मुद्रा में केवल विजय नहीं, बल्कि त्याग, अनुशासन और मातृभूमि के प्रति अटूट प्रेम छिपा होता है। कविता को उसी भावभूमि से जन्म लेना चाहिए। निर्णायिका अनुराधा धनाँक ने कहा कि पौरट कार्ड सीमित स्थान में लिखे जाते हैं, इसलिए यह आवश्यक है कि हर शब्द का चयन सोच-समझकर किया जाए और संदेश स्पष्ट रहे।राजभाषा अधिकारी वंदना चौधरी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए कहा कि राजभाषा विभाग को केवल प्रक्रियाओं और सुचनाओं का वाहक नहीं, बल्कि मानव संवेदना और अभिव्यक्ति का सेतु बनाना चाहिए। कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार सह प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

लेखन प्रतियोगिता में यह रहे विजेता

पोस्ट कार्ड लेखन के विजेता प्रथम रंजीता सोनिपपरे बीएसपी भिलाई, द्वितीय अमृता गंगराडे बीएसपी, तृतीय तपन आचार्जी सशस्त्र सीमा बल, सांत्वना पुरस्कार अमितेश पुरोहित सेल रिफ्रैक्टरी यूर्निट, राजेंद्र लवंग परियोजना बीएसपी, अपू बेहरा बीएसपी, गरिमा चंद्रा सेल शाखा विक्रय कार्यालय, अनिल कुमार अग्रवाल बीएसपी विजेता रहे।

चित्र देखो-कविता लिखो प्रतियोगिता के विजेता

प्रथम अमृता गंगराडे बीएसपी, द्वितीय सोनाली पटलें आई.आई.टी भिलाई, तृतीय अनिल कुमार अग्रवाल बीएसपी, सांत्वना पुरस्कार त्रिभुवन लाल साहु बीएसपी, गरिमा चंद्रा सेल शाखा विक्रय कार्यालय, प्रदीप कुमार एचएससीएल भिलाई, दयानंद साह् सेट-सेल भिलाई, आकाश शर्मी एनएसपीसीएल भिलाई विनर रहे।

सिटी स्पोर्ट्स

राज्य स्तरीय जेवलिन थ्रो में 23 जिलों के 190 खिलाडियों ने दी भागीदारी



रायपुर। छत्तीसगढ़ एथलेटिक संघ के द्वारा चौथी राज्य स्तरीय जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता का आयोजन बहतराई एथलेटिक स्टेडियम बिलासपुर में किया गया। यह प्रतियोगिता नीरज चोपड़ा के टोक्यो ओलंपिक 2021 में गोल्ड मेडल पाने के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। आज इस प्रतियोगिता के उद्घाटन के मुख्य अतिथि सुशांत शुक्ला विधायक बेलतरा रहे। कार्यक्रम अध्यक्ष सुशील मिश्रा उपाध्यक्ष छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ विशेष अतिथि के रूप में मेलकम हेल रहे। श्री शुक्ला ने आज खिलाड़ियों को कहा कि बहतराई परिसर में 25 करोड़ का कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि एथलेटिक्स खेल के प्रगति के लिए हर संभव प्रयास उनके द्वारा किया जाएगा।

समापन समारोह के मख्य अतिथि आरके पिल्ले पूर्व महासचिव छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ रहे। कार्यक्रम अध्यक्ष के श्रीनू पूर्व कोषाध्यक्ष छत्तीसगढ़ एथलेटिक्स संघ थै। विशेष अतिथि अमरनाथ सिंह, पीजी जय किशन, रवि देशमुख, टी रमेश बाबू और रामदेव बोले रहे। इस आयोजन में मुख्य भिमका में जसविंदर सिंह भाटिया दोणाचर्या अवॉर्डा, आर के पिल्लई पूर्व सचिव छत्तीसगढ एथलेटिक्स संघ, सुशील मिश्रा उपाध्यक्ष अमरनाथ सिंह महासचिव, के श्रीनिवास, रविंद्र देशमुख, पीजी जय कृष्णन, उत्तर चेलकर, रामदेव बोले, रमेश बाबू, मनीष सिंह, मेलकॉम, नैतिक, अमित, अंकित, टी रमेश, मोहन थापा, मंतोष साहू, स्नेह कुमार यादव, दीपक साहू, आदित्य, श्रीनिवास आदि रहे। प्रतियोगिता में 23 जिलों के 190 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें 40 महिला खिलाड़ी एवं 150 छत्तीसगढ़ के सभी जिलों के पुरुष खिलाड़ी शामिल थे। यह प्रतियोगिता बालक बालिका के 6 वर्गों अंडर 14,16,18,20,23, और सीनियर वर्ग में एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के मार्गदर्शन से संपन्न हुआ। अंडर 14 बालक वर्ग में प्रथम स्थान पर रोहन पटेल, द्वितीय ओंकार और तीसरे स्थान पर लकी कुमार भी बिलासपुर से रहे। अंडर 14 बालिका वर्ग में प्रथम स्थान पर रवीना, द्वितीय दंतेश्वरी और तृतीय स्थान पर चंद्ररेखा बिलासपुर रही। अंडर 16 बालक वर्ग में नामिषकांत बिलासपुर, द्वितीय राजेंद्र एमसीबी, ततीय जय कमार कोरबा रहे। अंडर 16 बालिका वर्ग में रानय गोटा बिलासपुर, द्वितीय स्थान पर चेष्टा राजनंदगांव, तृतीय स्थान पर अर्पिता बिलासपुर रही। अंडर 18 बालक वर्ग में अभय कुमार प्रथम, देवलाल दूसरे एवं ललित तीसरे स्थान पर रहे। अंडर 18 बालिका वर्ग में तानिया बिलासपुर प्रथम स्थान अंजलि साह कोरबा द्वितीय स्थान एवं हिमानी बिलासपुर तीसरे स्थान पर रही। अंडर 20 बालक वर्ग में बुद्ध प्रकाश गरियाबंद से प्रथम अरविंद कुमार सुकमा से दूसरे स्थान एवं मोहित कुमार एमसीबी रहे। अंडर 20 बालिका वर्ग में माया प्रथम, कविता दुसरे स्थान पर एवं हर्षा साह बिलासपुर से तसिर स्थान पर रही। अंडर 23 पुरुष वर्ग में सुभाष दुर्ग प्रथम, विशाल बिलासपुर से दूसरे स्थान पर एवं कमल बिलासपुर से तीसरे स्थान पर रहे। अंडर 23 महिला वर्ग में प्रथम स्थान पर दामिनी दुर्ग से रही लिटेश मुंगेली से दूसरे स्थान पर एवं ज्योति बिलासपुर से तीसरे स्थान पर रही। सीनियर पुरुष वर्ग में तुम्मान दुर्ग से प्रथम, वारिस अख्तर बिलासपुर से द्वितीय एवं गिरधारी शक्ति जिले से तीसरे स्थान पर रहे। महिला सीनियर वर्ग में प्रथम स्थान पर ज्योति नारायणपुर से प्रथम स्थान पर, संगीता बिलासपुर से दूसरे स्थान एवं सविता जांजगीर चांपा से तीसरे स्थान पर रहे। यह जानकारी छत्तीसगढ एथलेटिक संघ के प्रवक्ता हेमंत सिंह परिहार ने दिया।

ट्रॉफी के लिए सेंट्रल ज़ोन टीम में चयनित हुए आयुष और संचित



रायपुर। बीसीसीआई द्वारा दिलीप ट्रॉफी के लिए सेंट्रल जोन टीम की घोषणा कल की गई। जिसमे छत्तीसगढ़ से बाए हाथ के ओपनिंग बल्लेबाज आयुष पांडेय एवं मध्य क्रम के बल्लेबाज संचित देसाई का चयन उनके घरेलू क्रिकेट में छत्तीसगढ़ की टीम के साथ खेलते हुए लगातार कंसिस्टेंट प्रदर्शन के आधार पर हुआ है। टीम के कप्तान ध्रुव जुरेल व उप कप्तान रजत पाटीदार होंगे। राज्य क्रिकेट संघ ने दोनों खिलाड़ियों के चयन पर बधाई दी है।।

जिला स्तरीय कुडो मार्शल आर्ट टूर्नामेंट में शामिल हए ३५० से ज्यादा खिलाडी

भिलाई। चौथीँ जिला स्तरीय कुडो टूर्नामेंट में जिले के धमधा पाटन और दुर्ग के लगभग 350 से ज्यादा खिलाडी। कोच मैनेजर ने हिस्सा लिया। जिसमें शहर के खिलाड़ियों ने ओवर आल चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया। द्वितीय स्थान पर धमधा ब्लॉक और तृतीय स्थान पर पाटन ब्लॉक रहा। आगामी राज्य स्तरीय टूर्नामेंट के लिए टीम चयन किया गया है।

मजबूत इम्युनिटी के लिए रामबाण नुस्खा हमेशा याद रखें, दिखेगा असर

अपने शरीर को बीमारियों से लड़ने हमेशा रखें तैयार, भोजन की थाली में इन्हें भी करें शामिल

शरीर फिट रहे और बीमारियों से बचा रहे इसके लिए सबसे जरूरी है कि आपकी इम्युनिटी मजबूत रहे। पर क्या आप जानते हैं कि शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को कैसे मजबूत किया जा सकता है? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, इम्युनिटी सिस्टम को मजबृत बनाने के लिए जरूरी है कि आप आहार और दिनचर्या में जरूरी बदलाव

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, हर उम्र के लोगों को शरीर की इम्युनिटी को बढ़ावा देने पर ध्यान देना चाहिए। इसके लिए आहार पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। पर इसके लिए स्प्लीमेंट्स के सेवन के बजाय पौष्टिक आहार को थाली का हिस्सा बनाएं। थाली में कुछ चीजों को अगर शामिल कर लिया जाए तो इसमें लाभ पाया जा सकता है। आइए जानते हैं कि विशेषज्ञ किन चीजों को प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने वाला

एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुणों से भरपुर मसाले

भारतीय मसाले जैसे हल्दी, लौंग, काली मिर्च, दालचीनी आदि रोग प्रतिरोधक क्षमता बढाने वाले मसाले हैं। ये आपके शरीर को शुद्ध करते हैं और आपके शरीर के रक्षा तंत्र को बढ़ाते हैं। हल्दी में पाया जाने वाला करक्यमिन, शरीर पर एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट प्रभाव डालता है। करक्यूमिन को इम्युनिटी बूस्टर माना जाता और यह एंटीवायरल के रूप में भी काम करता है।



डेयरी उत्पादों का सेवन जरूरी

आपके आहार में डेयरी उत्पाद जरूर होने चाहिए। दही, दूध, पनीर जैसे डेयरी उत्पादों को विटामिन्स और प्रोटीन से भरपुर माना जाता है जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढाते हैं। दही को प्रोबायोटिक्स का अच्छा स्रोत माना जाता है जो पाचन को ठीक रखने के लिए आंतों में मौजूद गुड बैक्टीरिया को बढ़ावा देता है। सभी लोगों को नियमित रूप से इसका सेवन करना चाहिए।

रोजाना खाएं दो खट्टे फल

लगभग सभी खड़े फल विटामिन-सी से भरपूर होते हैं। संतरे, नींबू, अनानास जैसे फलों का सेवन करना शरीर के लिए आवश्यक विटामिन की आसानी से पूर्ति करने के साथ इम्यनिटी को बढाने और गंभीर रोगों खतरे से बचाने



सहायक हो सकता है। विटामिन-सी को प्रतिरक्षा प्रणाली के लिए सबसे आवश्यक और लाभकारी माना जाता है। ये सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाने में सहायक है, जो संक्रमण से लड़ने में आपकी मदद करती है।



हरी-पत्तेदार सब्जियों के लाभ

पालक, ब्रोकली जैसी सब्जियों को सेहत के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। ये सब्जियां एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन्स (विटामिन ए, सी, ई), खनिजों और फाइबर से भरपूर होती हैं। ये पोषक तत्व हमारे इम्यन सिस्टम की संक्रमण से लडने की क्षमता को बढाते हैं। हरी सब्जियों के सेवन से शरीर के लिए आवश्यक ज्यादातर पोषक तत्व आसानी से प्राप्त हो सकते हैं। शोध में पाया गया है कि जो लोग हरी सब्जियों का सेवन अधिक करते हैं उनके बीमार पड़ने का खतरा कम होता है।



डेंगू जाने के बाद भी बनी रह सकती हैं कई तरह की दिक्कतें

बारिश के दौरान डेंगू के मामले ज्यादा देखने में आते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, सभी लोगों को डेंगू से बचाव के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए, हर साल जुलाई से-अक्तूबर के महीनों में देश के ज्यादातर हिस्सों में डेंगू के मामले काफी बढ़ जाते हैं, ऐसे में जोखिमों को ध्यान में रखते हुए सभी लोगों को एहतियात बरतते रहने की जरूरत

लंबे समय तक बने रहने वाली समस्या

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू से संक्रमण की स्थिति में गंभीर फ्लू जैसे लक्षण तक हो सकते हैं, इसके कारण रक्तस्त्रावी बीमारियों के होने का भी जोखिम रहता है। कई लोगों में डेंग के ठीक हो जाने के लंबे समय बाद तक भी इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताएं जैसे थकान, जोड़ों में दर्द और कमजोरी बनी रह सकती है। आमतौर पर संक्रमण के दौरान हुई शरीर में माइक्रोन्यूट्रिएंट्स की कमी के कारण ऐसा होता है। आइए जानते हैं कि डेंगू से तेज रिकवरी और इसके दीर्घकालिक समस्याओं से कैसे



जोडों और मांसपेशियों में दर्द की समस्या

डेंगू बुखार के दौरान मांसपेशियों, जोड़ों और हड्डियों में दर्द होना आम है। यही कारण है कि इसे 'ब्रेकबोन फीवर' भी कहा जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, डेंगू बुखार के ठीक होने के बाद भी कई लोगों में जोड़ों और मांसपेशियों में दर्द की समस्या बनी रह सकती है। डेंग के ठीक होने के बाद पॉलीआर्थ्राल्जिया (जोड़ों में दर्द) और मायलगिया (मांसपेशियों में दर्द) की समस्या के लंबे समय तक बने रहने का जोखिम रहता है।

भुख न लगना और वजन कम होना

डेंग में मतली और भुख न लगना एक आम सी समस्या है. ये लक्षण इस रोग के ठीक होने के बाद भी बने रह सकते हैं। भुख की कमी के कारण शरीर में पोषक तत्वों की मात्रा भी कम होना काफी आम माना जाता है। शरीर में खनिजों और विटामिन्स की कमी हो जाने के कारण डेंगू से ठीक होने के बाद आपको थकान और शरीर बेहद कमजोर महसूस हो सकता है। यही कारण है कि डेंगू से ठीक होने के बाद आपका वजन कम हो सकता है।

क्या कहते हैं स्वास्थ्य विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ. टीआर बालू कहते हैं, डेंगू के दौरान और ठीक होने के बाद शरीर के पोषण का विशेष ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। सनिश्चित करें कि आपके आहार में ताजे फल-सब्जियों और प्रोटीन वाली चीजें अधिक हों। पनीर, राजमा, छोले, सूप, दुध, सीया, बादाम, सूखे मेवे शाकाहारियों के लिए प्रोटीन का अच्छा स्रोत हैं। प्रोटीन के अलावा कई अन्य प्रकार के पोषक तत्वों की भी शरीर को आवश्यकता होती है, जिनकी भोजन के माध्यम से पूर्ति करना बहुत जरूरी हो जाता है।



घर की छत पर बना रहे हैं टेरेस गार्डन तो वास्तु के इन नियमों का रखें ध्यान



आज के समय में शहरी क्षेत्रों में लोग जिस चीज की सबसे अधिक तलाश करते हैं, वह है सुकृन। चंकि अब घर छोटे होते जा रहे हैं तो ऐसे में सुकून के पल बिताने के लिए लोग अलग से टेरेस गार्डन बनवाते हैं। इन टेरेस गार्डन में वे सुबह व शाम के समय चाय की चुस्कियां लेते हुए अच्छा वक्त बिताते हैं। स्पेस कम होने के कारण टेरेस गार्डन बनवाने का चलन काफी बढ़ गया है। अक्सर टेरेंस गार्डन बनवाते समय हम प्लाट्स को प्लेसमेंट के बारे में सबसे ज्यादा सोचते हैं। लेकिन वास्तव में इस समय आपको वास्तु के कुछ छोटे-छोटे नियमों का खास ख्याल रखना चाहिए। इससे आपको यकीनन काफी पॉजिटिव फील होगा।

करवाएं वाटरप्रफिंग

अगर आप अपने घर की छत पर टेरेस गार्डन बनवा रहे हैं तो सबसे पहले ध्यान करें कि आप छत पर वाटरप्रफिंग अवश्य करवाएं। अगर टेरेस गार्डन बनाने के कारण उसके मॉइश्चर या नमी के कारण छत टपकती है तो वास्तु के अनुसार यह घर में नेगेटिविटी पैदा करती है। ऐसा माना जाता है कि ऐसे घरों में बच्चों में सुस्ती रहती है।

दिशा अनुसार लगाएं पौधे

अगर आप अपने घर की छत पर टेरेस गार्डन (टेरेस गार्डन में कीटों से छटकारा पाने के तरीके) तैयार करवा रही हैं तो ऐसे में कोशिश करें कि आप पश्चिम व दक्षिण दिशा में बड़े व भारी पौधे लगाएं। इस दिशा में भारी पौधे लगाना काफी अच्छा माना जाता है। वहीं पूर्व दिशा में छोटे पौधे लगाएं। कोशिश करें कि आप इस दिशा में दूर्वा घास आदि अवश्य रखें। ये पौधे घर में पॉजिटिविटी का माहौल क्रिएट करते हैं।

ना लगाएं कैक्टस का पौधा

जब आप टेरेस गार्डन बनवाते हैं तो आपको पौधों के चयन को लेकर भी सावधानी बरतनी चाहिए। आपको अपने टेरेस गार्डन में कैक्टस या बोनसाई का पौधा नहीं लगाना चाहिए। इसके अलावा, यहा पर ऐसे पीधे लगाने से भी बचना चाहिए, जिनकी लोग आमतौर पर लोग पूजा करते हैं। मसलन, यहां पर आपको पीपल या बड आदि का प्लांट नहीं लगाना चाहिए।

साफ-सफाई का रखें ध्यान

अगर आप टेरेस गार्डन बनवा रहे हैं तो आपको वहां की साफ-सफाई का भी पुरा ध्यान रखना चाहिए। अक्सर टेरेस गार्डन में युं ही गंदगी व धूल-मिट्टी जमा होती रहती है। यह देखने में आता है कि लोग टेरेस गार्डन तो बनवाते हैं. लेकिन उसकी मेंटेनेंस पर ध्यान नहीं देते हैं। जिसके कारण वहां पर रखे प्लांट सुख जाते हैं। ऐसा करने से वहां पर नेगेटिविटी फैलती है।

प्रसाद मेकिंग टिप्स, दोगुना हो जाएगा आपके पंजीरी का स्वाद



अगर आपको अब तक समझ नहीं आ रहा है कि भगवान को क्या भोग लगाएं. तो पंजीरी प्रसाद बनाकर तैयार कर सकते हैं। पंजीरी प्रसाद को बनाना बहत ही आसान है।

कहते हैं कि धनिया की पंजीरी का प्रसाद चढ़ाने से भगवान श्री कृष्ण की असीम कृपा भक्तों पर बनी रहती है। पंजीरी का प्रसाद पंजीरी गेहूं के आटे को घी में भूनकर और सूखे मेवे और मसाले जैसे जोरा, धोनया , सीठ, सीफ आदि डालकर तैयार किया जाता है।

प्रसाद बनाने के लिए जिस भी आटे का इस्तेमाल कर रहे हैं. तो कोशिश करें आटा परफेक्ट ब्राउन किया गया हो, क्योंकि प्रसाद में आटे का स्वाद बहुत महत्वपूर्ण रखता है। अक्सर आटे के मिश्रण में गुठिलयां पड़ जाती हैं और प्रसाद ठीक से नहीं बन पाता है। अगर आप चाहते हैं आटे में गुठलियां ना पड़े, तो इसके लिए आटा भूनते हुए लगातार चलाते रहें। ऐसा करने से आटे में गुठलियां नहीं पड़ेंगी और प्रसाद एकदम परफेक्ट बनेगा।

अगर आपका पंजीरी का मिश्रण पतला हो जाता है, तो आप पंजीरी के गरमा-गरम मिश्रण में चीनी का पाउडर ना डालें। ऐसा करने से चीनी पिघलने लगेगी और आपका मिश्रण पतला हो जाएगा। इसलिए बेहतर होगा कि पहले आप पंजीरी को भन लें और इसे ठंडा करने के बाद ही चीनी का पाउडर डालें। यकीनन आपका पंजीरी का प्रसाद एकदम परफेक्ट बनेगा।



आपके जीवन की प्रेरणादायक कहानियों से बच्चों को मिलती है भविष्य की राह

बच्चों को अपने जीवन से जुड़े किस्से सुनाएं, दे पाएंगे बेहतर परवरिश

अतीत की कहानियां भविष्य संवार सकती हैं। आपके पास संघर्ष की कहानियां हैं। जीवन के अनुभव हैं। असफलता के किस्से हैं और सफलता की खुशियां भी। आप अपने घर में बच्चों को प्रेरित करने के लिए अपनी कहानियां उन्हें सुनाती हैं क्या? सुनाएं, उन्हें नई दिशा मिलेगी।

पूर्व राष्ट्रपति और महान वैज्ञानिक डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम अक्सर अपने संबोधन में माता-पिता के जीवन अनुभवों का जिक्र करते थे। वे बताते थे कि जब भी उन्हें कोई कार्य असंभव-सा प्रतीत होता, तो माता-पिता और परिवार द्वारा सुनाए गए किस्सों, कहानियों और उनके अनुभवों को याद करते। इससे उनको अपने हर काम को संभव बनाने के लिए प्रेरणा मिलती थी। परिवार के अभावों-परिस्थितियों अभिभावकों के जीवन की कहानियों ने उन्हें यह मुकाम हासिल करने में सबसे

ज्यादा मदद की। इसी महीने की शुरुआत में ग्लोबल पैरेंट्स डे मनाया गया। हमारे देश में



हमेशा से बच्चों के व्यक्तित्व विकास में परिवार की अहम भिमका रही है और मानी गई है। संयुक्त राष्ट्र ने भी बच्चों के पालन-पोषण में माता-पिता की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देने और माता-पिता की बच्चों के प्रति प्रतिबद्धताओं का सम्मान करने के लिए वर्ष 2012 से ग्लोबल पेरेंट्स डे मनाने की शुरुआत की। वास्तव में माता-पिता के जीवन और उनके अनुभव बच्चों के

व्यक्तित्व को सही आकार देने की अद्भत

क्षमता रखते हैं। यही वजह है कि इन दिनों पेरेंट्स को अपने बच्चों के साथ समय बिताने और जो कुछ उन्होंने अपने जीवन में अनुभव किया है, उसे कहानियों के रूप में सुनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

कुछ शोध भी इस ओर इशारा करते हैं कि माता-पिता को अपने जीवन के किस्से और पारिवारिक कहानियां बच्चों को जरूर सुनानी चाहिए। इससे बच्चे न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि उनकी परिस्थिति को भी

समझ पाते हैं। वहीं माता-पिता ने जो अनुभव अपने जीवन में पाया है, उससे सीख ले पाते हैं।

भावनात्मक जुड़ाव

अमेरिका के नेवादा विश्वविद्यालय में पैरेंट्स और बच्चों की बॉन्डिंग पर अध्ययन किया गया। इसमें अपने जीवन से जुड़ी कहानियां सनाने वाले और जीवन अनुभव नहीं बताने वाले लोगों को शामिल किया गया। अध्ययन के निष्कर्ष के अनुसार, जिन माता-पिता ने बच्चों को अपने जीवन के अनुभव बताए, उनके बच्चों ने ज्यादा अच्छे तरीके से सामने आई कठिन परिस्थितियों का सामना किया।

वास्तव में पारिवारिक जीवन की कहानियां या परिवार की परिस्थितियों के बारे में बच्चों को सुनाई गईं कहानियां उन्हें सकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं। पारिवारिक कहानियां बच्चों को यह समझाने में मदद करती हैं कि असल में वे कौन हैं। किन हालात में उनके माता-पिता आज यहां तक पहुंचे हैं, साथ ही किस परिवार और विचारधारा से उनका नाता रहा है। अध्ययनकर्ताओं ने पाया कि जब माता-पिता पारिवारिक कहानियां साझा करते हैं तो बच्चे अपने परिवार की भलाई के बारे में सोचते हैं। वे भावनात्मक स्तर पर मजबूत होते हैं। उनमें चिंता या घबराहट का स्तर भी कम हो जाता है। वे तनाव से बेहतर ढंग से निपटने में सक्षम हो पाते हैं। इससे परिवार के भीतर भावनात्मक जुड़ाव बनाने में मजबूती मिलती है।



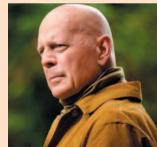
फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

100 करोड़ कमाने वाला हॉलीवुड एक्टर भूल बैठा सबकुछ, हालत देख रो पड़े फैंस

हॉलीवुड में भी बॉलीवुड की तरह ही कई ऐसे एक्टर्स हैं, जिन्हें

हम बचपन से देखते हुए बड़े हुए हैं। ये एक्टर्स अब होने लगे हैं, और अपने सुपरस्टार्स को बूढ़ा होते हुए देखना किसी को भी अच्छा नहीं लगता। ऐसे अभिनेता हैं ब्रस



विलिस। 'डाए हार्टे', 'पल्प फिक्शन' जैसी कमाल की फिल्में देने वाले ब्रूस अब खुद को भी मुश्किल से पहचान पा रहे हैं। उन्हें एक गेंभीर बीमारी हो गई है, जिससे वो लड़ रहे हैं और धीरे-धीरे सबकुछ भुला बैठे हैं। ब्रूस को फ्रंटोटेम्पोरल डिमेंशिया है।

मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो ब्रूस को ये बीमारी साल 2022 में डिटेक्ट हुई थी। इस बीमारी के बारे में उनके परिवार वालों ने सभी को 2023 में बताया। उनके परिवार ने जो हेल्थ बुलेटिन जारी किया है उसके मुताबिक ब्रस पर इस बीमारी का असर ऐसा हुआ है कि वो खुद को ही पहचान नहीं पा रहे हैं। ब्रूस को अब ये भी याद नहीं है कि वो एक नामचीन एक्टर हैं।

ब्रूस ना तो बोल पा रहे हैं, ना पढ़ पा रहे हैं और ना ही चल पा रहें हैं। 70 साल के एक्टर की ऐसी हालत जानने के बाद उनके करोड़ों फैंस का दिल टूट गया है। ब्रुस के लिए फैंस दुआ कर रहे हैं कि वो जल्द स्वस्थ हो जाएं और एक बार फिर से उन्हें ये याद आ जाए कि वो कौन हैं। एक रिपोर्ट की मानें तो ब्रस की नेट वर्थ लगभग \$250 मिलियन यानी लगभग 2,085 करोड़ है। ब्रुस ने 'द सिक्स्थ सेंस', '12 मंकीज' 'मूनलाइँटिंग','कॉस्मिक सिन', 'एक्सट्रैक्शन' और 'फर्स्ट किल' जैसी शानदार फिल्मों में काम किया है।

टॉलीवुड

अनुष्का की 'घाटी' का ट्रेलर रिलीज जबरदस्त एक्शन मोड में हैं कलाकार

अनुष्का शेट्टी की लंबे समय से अटकी एक्शन-ड्रामा फिल्म

ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। जगरलामुदी

द्वारा निर्देशित



फिल्म 'घाटी' के ट्रेलर में खतरनाक पर्वत श्रृंखलाओं में सामने आने वाली गंभीर चुनौती को दिखाया गया है। ट्रेलर में अनुष्का शेट्टी जबरदस्त एक्शन मोड में हैं।

फिल्म 'घाटी' के निर्माताओं ने सोशल मीडिया पर एक नए पोस्टर के साथ ट्रेलर शेयर किया। कैप्शन में लिखा है 'घाटी की एक आवाज है। यह दहाड़ती है। यह विद्रोह करती है। यह गुंजती है। 'घाटी' खुन, पसीने और पत्थर से गढ़ी गई एक कहानी है। घाटी का ट्रेलर अब रिलीज हुआ है।' फिल्म के ट्रेलर में, अनुष्का शेट्टी एक उग्र और साहसी महिला का किरदार निभाती नजर आ रही हैं। वह पहले एक प्यारी साथी होती हैं। इसके बाद उनके साथ कुछ हादसा हो जाता है और वह एक शक्तिशाली बदला लेने वाली महिला बन जाती है। ट्रेलर म मादक पदार्थ की तस्करी की दलदली दुनिया दिखाई गई है। सिनेमैटोग्राफर मनोज रेड्डी कटासानी ने बेहद खूबसूरत लेकिन क्रूर परिदृश्यों को अच्छे से फिल्माया है। नागवेल्ली विद्या सागर का संगीत फिल्म के भावनात्मक पहलुओं को उभार रहा है। 'घाटी' अनुष्का शेट्टी और निर्देशक कृष जगरलामुदी के बीच उनकी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'वेदम' की सफलता के बाद दूसरा सहयोग है। यूवी क्रिएशन्स बैनर के तहत राजीव रेड्डी और साई बाबू जगरलामुडी द्वारा निर्मित, 'घाटी' तेलुगु, तमिल, कन्नड़, मलयालम और हिंदी में रिलीज होगी। अनुष्का शेट्टी को आखिरी बार 'मिस शेडी मिस्टर पॉलीशेडी' (2023) में देखा गया था। यह फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी थी।

श्री 420 में दिखेंगे आज के जमाने के 'नटवरलाल' खेसारी

खेसारी लाल यादव की नई भोजपुरी मूवी 'श्री 420' का

मजेदार और धमाकेदार ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। इस 4 मिनट 11 सेकेंड के वीडियो को अब तक 17 लाख से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। फिल्म में कॉमेडी है, पर आखिरी में तगड़ा ट्विस्ट और जबरदस्त एक्शन भी है। आज के नटवरलाल 'भैया राजा', जिन्होंने हर किसी को



चुना लगाया है। इसमें ह्युमर भी है, कॉमेडी भर-भरकर है, पर इमोशंस और खुब सारा ड्रामा भी है। इस फिल्म में एक लाइन है, 'ऐसा कोई सगा नहीं, जिसको हमने ठगा नहीं...'। ये लाइन खेसारी पर खूब फबती है। फिर उसकी जिंदगी में हीरोइन की एंट्री होती है, लेकिन कुंडली में दोष है, दूसरी शादी करनी पड़ेगी। बस यहीं पर कहानी में ट्विस्ट आता है। खेसारी की जिस लड़की से शादी होती है, वो अपनी सादगी और प्यार से उनका दिल जीत लेती है। फिर खेसारी को पता चलता है कि झुठ बोलकर उसकी दूसरी शादी कराई जाती है। यानी जो शख्स अभी तक सबको ठगता था, उसे ही किसी ने ठग लिया। इसके बाद एक शर्त से कहानी पूरी बदल जाती है। फिल्म में खूब सारा एक्शन भी देखने को मिलेगा। और आखिरी में भोजपुरी सिनेमा के 'पावर स्टार' पर भी एक कॉमेडी है। इस भोजपुरी फिल्म में खेसारी लाल यादव, मधू शर्मा, श्वेता महारा, संजय पांडे, समर्थ चतुर्वेदी, प्रकाश जैस और श्रद्धा नवल जैसे स्टार्स हैं।

ग्लेमर 🐍 फैशन



फ़ैशन को सांस्कृतिक रुझानों और सामाजिक बदलावों का प्रतिबिंब माना जाता है। हाल के वर्षों में पारंपरिक एशियाई परिधान वैश्विक फ़ैशन मंच पर वापसी कर रहे हैं। इनमें से चीनी चेओंगसम/क्रिपाओ इस रुझान में सबसे आगे रहा है। शंघाई टैंग और विविएन टैम जैसे डिज़ाइनर इस प्रतिष्ठित परिधान में आधुनिक रूपांतर ला रहे हैं। लेकिन अब सिर्फ़ क़िपाओ ही नहीं, पारंपरिक कोरियाई हानबॉक, थाई चुग ताई, जापानी किमोनो और भारतीय साड़ियाँ भी इन बदलावों को अपना रही हैं।

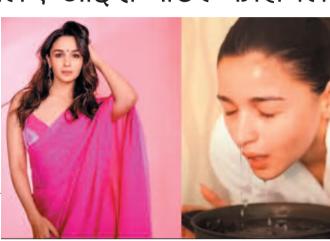
निखरती त्वचा के लिए आइस वाटर फेशियल

अगर आप हैवी मेकअप करने का सोच रही हैं तो उससे पहले ये फेशियल ज्यादा असरदार रहता है। इसे करने के त्वचा के पोर्स छोटे हो जाते हैं, जिस वजह से मेकअप ज्यादा समय तक टिकता है। अगर आप आइस फेशियल लेने का सोच रही हैं तो पहले चेहरे को अच्छे से साफ जरूर कर लें। बर्फ के पानी में चेहरे को थोड़ी देर के लिए डुबोना या 2-4 बर्फ के टुकड़ों को किसी कॉटन के कपड़े में लपेटकर चेहरे पर मसाज करना, आइस फेशियल कहलाता है। यह स्किन की पफीनेस को कम करने और ब्लड सर्कुलेशन सुधारने के लिए फायदेमंद हो सकता है।

आडस फेशियल करने की विधि

आइस फेशियल करने के लिए सबसे पहले एक बड़ा कटोरा या कोई भी गहरा बरतन लें, जिसमें आप अपना चेहरा डूबा सकें। अब इस कटोरे में ठंडा पानी और बर्फ

के टुकर्ड़े डालें। अब ठंडे पानी और आइस क्यूब से भरे बर्तन में अपना चेहरा 5 से 7 सेकेंड के लिए डुबोए रखें और फिर बाहर निकाल लें। इस प्रक्रिया को 8- 10 मिनट के अन्तराल पर कम से कम 5 बार करें। ध्यान रहे, 20 सेकंड से ज्यादा देर तक चेहरे को पानी में न डुबाएं। पानी से चेहरा निकालने पर टॉवेल की मदद से थपथपा कर चेहरा सुखाएं। ध्यान रखें टॉवेल से अपने चेहरे को रगड़ें नहीं। आइस फेशियल के बेहतर परिणाम के लिए जेड रोलर का इस्तेमाल करें। इसे आप चाहें तो कुछ समय के लिए फ्रिज में रख सकते हैं, ताकि वह ठंडा हो जाए। गर्मियों में यह काफी रिफ्रेशिंग महसुस होता है।



आइस फेशियल के फायदे

आइस फेशियल का सुबह के समय इस्तेमाल करने से चेहरे की पफीनेस कम होती है, खासकर आंखों के पास की। इससे चेहर कम सूजा हुआ लगता है। इससे चेहरे का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता, जिससे चेहरे पर निखार आता है। आइल फेशियल से त्वचा के पोर्स कुछ समय के लिए छोटे होते हैं, जिससे मेकअप आसानी से चेरहे पर अप्लाई हो जाता है। स्किन की ऑइलिनेस को कम करने में भी आइस

रक्षाबंधन पर साड़ी पहनकर दिखेंगी स्टाइलिश, बस अपना लें ये तरीका



रक्षाबंधन का त्योहार हर भाई-बहन के लिए बेहद ही खास होता है जिसका इंतजार हर कोई साल भर करता है। बहनें इस दिन अपने भाईयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और भाई उन्हें रक्षा का वचन

देने के साथ-साथ कई तोहफे देते हैं। इस बार राखी का ये त्योहार 09 अगस्त को मनाया जाएगा। इस दिन को और खास बनाने के लिए हर उम्र की लड़िकयां और महिलाएं पहले से ही पूरी तैयारी कर लेती हैं।

बहुत सी लड़िकयां अपने भाई को राखी बांधते समय साड़ी पहनना ज्यादा पसंद करती हैं। अगर आप भी ऐसा सोच रही हैं लेकिन साड़ी के वही पुराने पैटर्न से बोर हो चुकी हैं तो ये खबर आपके लिए है। दरअसल, आज के लेख में हम आपको अलग स्टाइल से साड़ी पहनने का सही तरीका बताने जा रहे हैं, ताकि आप भी साड़ी पहनकर स्टाइलिश दिख



बेल्ट के साथ साडी

अगर आप साडी पहनकर स्टाइलिश दिखना चाहती हैं तो साड़ी के साथ बेल्ट कैरी करें। ये आपके लुक को अलग दिखाने में मदद करेगा। बेल्ट अपनी साड़ी के हिसाब से ही खरीदें।

श्रुग से पूरा करें साड़ी लुक

अगर आप साडी पहनने का सोच रही हैं तो उसके साथ इस तरह का श्रृग या फिर जैकेट पहन सकती हैं। अगर आप साड़ी से अपोजिट रंग की जैकेट कैरी करेंगी तो आपका लुक खुबस्रत

इंडो वेस्टर्न स्टाइल में साडी

साड़ी में अलग दिखने के लिए आप इंडो वेस्टर्न स्टाइल कैरी कर सकती हैं। स्किन टाइट जींस के साथ अगर आप साडी पहनेंगी तो आपको लुक सबसे हटकर लगेगा।

स्कर्ट स्टाडल में साडी

साड़ी को स्कर्ट के स्टाइल में पहनकर आप अपने लुक में चार चांद लगा सकती हैं। इसे कैरी करना काफी आसन होता है, वहीं ये देखने में भी काफी प्यारी लगती है।

जानिए हेयर डाई से बालों पर असर

आपको भी लगता है कि हेयर डाई के इस्तेमाल से आपके बाल ज्यादा झड़ने लगते हैं। इसकी जानकारी देंगी एक्सपर्ट।कम उम्र में आजकल बाल सबसे ज्यादा सफेद नजर आने लगे हैं। इसके कारण ज्यादातर महिलाएं हेयर डाई का इस्तेमाल करने लगी हैं। इसकी वजह से उन्हें हेयर फॉल भी होना शुरू हो गया है। अगर आपको भी ऐसा लगत है कि हेयर डाई के इस्तेमाल से बाल सबसे ज्यादा झडते हैं तो इसकी जानकारी एक्सपर्ट से लें। डमटीलाजिस्ट डा. आचल ने बताया कि जरूर हेयर डाई से बाल ज्यादा झडते हैं या नहीं?

हेयर फॉल होने पर न करें डाई का इस्तेमाल हेयर फॉल की वजह से आपको बालों में एलर्जी की समस्या हो सकती है। इसलिए आपको इसका इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि (शैंपू कंडीशन यूजिंग टिप्स) जब तक बाल झड़ते हैं तो आपका स्कैल्प कमजोर हो जाता है। इसलिए कोशिश करें की कछ समय के लिए बालों में किसी तरह की कोई भी डाई का इस्तेमाल न करें। जब बालों का झड़ना कम हो जाए तो इसका इस्तेमाल करें।

एक्सपर्ट के बताई गई बातों का ध्यान रखें और इस बात को जाने की हेयर डाई से बाल झडते

बहनें राखी के दिन खूबसूरत दिखने

के लिए ट्रेंडी कपड़े पहनती हैं और उसी के हिसाब से मेकअप करती हैं।

हर लडकी चाहती है कि वो

रक्षाबंधन के दिन सबसे खुबसूरत

दिखे। ऐसे में लड़िकयां पार्लर भी

जाती है। जो पार्लर नहीं जा पातीं, वो

घर पर ही तैयार होती हैं। घर पर

मेकअप करते वक्त अगर छोटी सी

लापरवाही की जाए तो इससे

आपका पूरा लुक खराब हो सकता

है। इसी के चलते आज हम आपको

मेकअप से जुड़ी कुछ गलतियों की

जानकारी देने जा रहे हैं जिन्हें

बहुत सी लड़िकयां और महिलाएं

परे चेहरे पर तो काफी अच्छे से

मेकअप कर लेती हैं, लेकिन गले

और कान के आसपास मेकअप

करना भूल जाती हैं। ऐसे में उनके

चेहरे के आसपास का एरिया अलग

रंग का दिखता है। ऐसे में मेकअप

करते वक्त गले को तो कर्तई ना

भुलें। मेकअप के दौरान पुरी तरह से

सावधानी बरतें।

जानकर सुधारने की जरूरत हैं

गले पर मेकअप ना



नहीं है। लेकिन अगर आपको स्किन एलर्जी है तो इसका इस्तेमाल (कंडीशनर लगाने का सही तरीका) न करें या फिर अपने एक्सपर्ट की राय लें। ऐसी ही वीडियो आंचल अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर करती रहती हैं जिसको देखकर हेयर या स्किन से जुड़ी समस्या से छटकारा पा सकती हैं।

लहंगे के खास डिजाइंस अपनाएं, लोग करेंगे तारीफ इसके साथ आप काफी तरह के

लहंगे को स्टाइल करने के लिए आपको बॉडी टाइप को समझना बेहद जरूरी होता है। साथ ही आपको इसे खरीदते समय लेटेस्ट फैशन ट्रेंड को जरूर फॉलो करना चाहिए।हर छोटे-बड़े फंक्शन के लिए तरह-तरह की ट्रेडिशनल आउटफिट को स्टाइल किया जाता है।

मिरर वर्क लहंगा चोली डिजाइन

आजकल मिरर वर्क को काफी पसंद किया जाने लगा है। इस तरह का मिलता-जुलता लहंगा चोली आपको मार्केट में लगभग 2000 रुपये से लेकर 3000 रुपये में आसानी से मिल जाएगा। वहीं इसके साथ आप ब्लैक कलर के कॉम्बिनेशन से लेकर कोई भी ब्राइट कलर को चुन सकते हैं। इस तरीके के लुक के साथ आप चांदबाली डिजाइन की ज्वेलरी को स्टाइल कर सकते हैं। साथ ही मेकअप के लिए ब्लश पिंक या न्युड ब्राउन कलर पैलेट को चुनें।

बांधनी डिजाडन लहंगा-चोली

बांधनी डिजाइन को सदाबाहार पसंद किया जाता है।



कलर्स जैसे रेड, येलो, ब्लू जैसे ब्राइट कलर्स को मिक्स करके भी चोली पर लहंगा स्कर्ट अलग-अलग खरीद सकते हैं। इसके अलावा लहंगा स्कर्ट बनवाने के लिए आप घर पर रखी पुरानी साडी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। इस तरह के लुक के साथ आप सिल्वर जंक ज्वेलरी को स्टाइल कर सकती है। साथ ही कहिल आई मेकअप कर लुक को आकर्षक बना सकती हैं।

मल्टी-कलर डिजाइन लहंगा-चोली

आजकल पेस्टल और ब्राइट कलर के साथ व्हाइट कलर के कॉम्बिनेशन को काफी पसंद किया जा रहा है। इस तरह का लुक खासकर कम उम्र की लड़िकयों को काफी पसंद आता है। इस तरह का मिलता-जुलता लहंगा आपको मार्केट में लगभग 1500 रुपये से लेकर 2500 रुपये में मिल जाएगा। इस तरह के लुक के साथ आप हेयर एक्सटेंशन लगाकर ब्रेड बना लें और उसे बोहो ज्वेलरी वाली हेयर एक्सेसरीज लगाकर लुक को कम्प्लीट करें।

न्यूज

बहनों को रक्षाबंधन पर अपने मेकअप पर खास ध्यान देने की जरूरत

रक्षाबंधन पर मेकअप करते समय ना करें ये गलतियां, वरना बिगड़ सकता है लुक



अपग्रेड ना करना

समय के हिसाब से अब मेकअप करने का तरीका भी काफी हद तक बदल गया है। ऐसे में समय के अनुसार ही मेकअप करें। अगर आप

मेकअप की शौकीन हैं तो समय के हिसाब से अच्छे नहीं लगेगी। ऐसे में लिपस्टिक लगाने से अपनी स्किल में बदलाव लाती रहें। अगर आप ऐसा नहीं करेंगी तो आपका लुक बिगड़ सकता

फाउंडेशन से पहले कीम ना

अगर आप फाउंडेशन को सीधा अपनी त्वचा पर लगाएंगी तो ये सही से ब्लेंड नहीं होगा। फाउंडेशन लगाने से पहले फेसक्रीम जरूर लगाना चाहिए। अगर आप ऐसा करेंगी तो त्वचा पर मेकअप का कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होगा।

रूखें होंठों पर लिपस्टिक

बदलते मौसम में ज्यादातर लोगों के होंठ काफी सुखने लगते हैं। ऐसे में अगर आप सुखे होंठों पर ही लिपस्टिक लगाएंगी तो ये दिखने में पहले लिप बाम या लिप क्रीम का इस्तेमाल जरूर करें।

स्किन टोन का पता ना लगाना

हर किसी को मेकअप करने से पहले अपने स्किन टोन के बारे में सही से पता होना बेहद जरूरी होता है। स्किन टोन के आधार पर फाउंडेशन से लेकर, लिपस्टिक, आईशैडो आदि को चुना जाना चाहिए।

